RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 116 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 20-11-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार चुनाव नहीं लड़ना मेरी गलती समझी जा सकती है : प्रशांत किशोर

6 शेख हसीना प्रत्यर्पण : क्या होगी भारत की रणनीति?

7 मैं दुलकर सलमान को थप्पड़ मारना नहीं चाहती थी : भाग्यश्री

फर्स्ट टेक

फेडरर को अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुना गया

न्यूयॉर्क/एपी। महान खिलाड़ी रोजर फेडरर को पात्रता के पहले ही साल में अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ में शामिल किया गया। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीस ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने रफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' कहा था। खिलाड़ियों के चयन पर टूर से पांच साल दूर रहने के बाद विचार किया जा सकता है और उन्हें मतदान समूह के 75 प्रतिशत सदस्यों द्वारा चुना जाना आवश्यक है जिसमें टेनिस मीडिया, इतिहासकार, उद्योग जगत के शीर्ष लोगों, हॉल के सदस्य और प्रशंसक शामिल हैं। हॉल मतदान के परिणामों का खुलासा नहीं करता है।

चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार दिया गया

नई दिल्ली/भाषा। चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट को बुधवार को वर्ष 2024 का 'इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार' प्रदान किया गया। कांग्रेस से संबद्ध संस्था 'इंदिरा गांधी स्मारक न्यास' द्वारा यह पुरस्कार दिया जाता है। 'इंदिरा गांधी स्मारक न्यास' की प्रमुख सोनिया गांधी ने मिशेल को यह पुरस्कार प्रदान किया। उन्हें शांति, लैंगिक समानता, मानवाधिकार और विकास में उनके योगदान के लिए यह पुरस्कार दिया गया है।

गिद्ध 'मारीच' 15,000 किलोमीटर की यात्रा के बाद मध्यप्रदेश लौटा

विदिशा/भाषा। इस साल मार्च में मध्यप्रदेश के विदिशा जिले के हलाली बांध से उड़ान भरने वाला यूरेशियन ग्रिफॉन गिद्ध 'मारीच' 15,000 किलोमीटर की यात्रा पूरी करके सुरक्षित भारत लौट आया है। एक वन अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। विदिशा के संभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) हेमंत यादव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह पक्षी पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उज्बेकिस्तान और कजाकिस्तान की यात्रा करने के बाद लौटा है। वन विभाग 'सैटेलाइट रेडियो कॉल से इसकी गतिविधियों पर नजर रख रहा है। डीएफओ ने कहा कि 'ट्रैकिंग' से गिद्धों के प्रवास और संरक्षण के बारे में जानकारी मिलती है और मारीच की हर गतिविधि पर नज़र रखी जा रही है।

20-11-2025 सूर्यास्त 5:39 बजे | 21-11-2025 सूर्योदय 6:10 बजे

BSE	NSE
85,186.47 (+513.45)	26,052.65 (+142.60)

सोना	चांदी
12,878 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	175,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

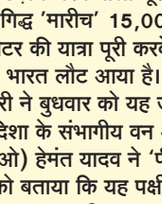

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दोषारोपण

डेमोक्रेसी के चार स्तंभ,
जिनके अपने मजबूत जोन।
जनता के सम्मुख बढ़चढ़ कर।
कह रहे स्वयं को सभी डोन।
पर जब आए दायित्व बोध,
हो जाते हैं ये सभी मौन।
दौरा ए दोषारोपण में,
बोलो है जिम्मेदार कौन।।

बेंगलूरु में दिनदहाड़े सात करोड़ की लूट

बेंगलूरु में सरकारी अधिकारी बनकर अज्ञात लोगों ने कैश वैन रोकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में खुद को केंद्र सरकार का अधिकारी बताकर अज्ञात लोगों ने एक कैश वैन को रोक लिया और करीब सात करोड़ रुपये लेकर बुधवार को कथित तौर पर फरार हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। जे.पी. नगर स्थित बैंक शाखा से नकदी लेकर जा रही वैन से यह लूटपाट अशोक स्तंभ के पास हुई। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि भारत सरकार का स्टिकर लगी एक कार में सवार होकर कुछ लोग आए और दस्तावेजों का सत्यापन करने की बात कहते हुए नकदी ले जा रहे वाहन को उन्होंने रोक लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके बाद संदिग्धों ने वैन के कर्मचारियों को नकदी लेकर अपनी कार में जबरन बिठा लिया। वे कथित तौर पर डेयरी सर्कल की ओर गए, जहां उन्होंने कर्मचारियों को उतार दिया और लगभग सात करोड़ रुपये नकदी लेकर फरार हो गए। वाहन के मार्ग का पता लगाने तथा इसमें शामिल लोगों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने मीडिया को बताया कि यह घटना आज दोपहर सिद्धापुरा थाना क्षेत्र में हुई। लगभग सात करोड़ रुपये की रकम बताई जा रही है, लेकिन इसकी पुष्टि की जा रही है, क्योंकि कैश वैन के चालक ने सही जानकारी साझा नहीं की है। संदिग्धों की संख्या के बारे में पूछे गए एक सवाल पर, आयुक्त ने कहा, अब तक हमारे पास कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है।

उन्होंने बताया कि इस मामले में दो उपायुक्त और एक संयुक्त आयुक्त काम कर रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी का हवाला देते हुए अधिकारी ने कहा कि पैसा सीएमएस कैश वैन से जबरदस्ती एक वाहन में स्थानांतरित कर लिया गया और ले जाया गया।

भारत जैविक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत जैविक खेती का वैश्विक केन्द्र बनने की राह पर है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह देश की स्वदेशी और पारंपरिक पद्धति है। मोदी ने यहां दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन 2025 और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कहा कि युवा तेजी से कृषि को एक आधुनिक और व्यापक अवसर के रूप में पहचान रहे हैं और इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को काफी मजबूती मिलेगी।

बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार जीत के बाद मोदी ने अपने यहां आगमन पर लोगों द्वारा गमछा लहराने का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था कि ''बिहार की हवा'' उनसे पहले ही तमिलनाडु में आ गई है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने नौ करोड़ किसानों को सहायता देने के लिए पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी की।

तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला राजग अगले साल विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन से मुकाबला करेगा। विपक्षी गठबंधन एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से हटाने के लिए भरसक प्रयास कर रहा है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने नौ करोड़ किसानों को सहायता देने के लिए पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी की। इस किस्त की कुल राशि 18,000 करोड़ रुपए से अधिक है।

मोदी ने कहा कि इस योजना के तहत अब तक छोटे किसानों के बैंक खातों में सीधे चार लाख करोड़ रुपए हस्तांतरित किए जा चुके हैं, जिससे वे विभिन्न कृषि जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हो गए हैं। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत यह कहते हुए की कि प्राकृतिक खेती उनके दिल के बहुत करीब है। मोदी ने कहा कि प्राकृतिक खेती का विस्तार 21वीं सदी की कृषि की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में, बढ़ती मांग के कारण खेतों और कृषि से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में रसायनों के इस्तेमाल में तेजी से वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि रसायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता कम हो रही है, मिट्टी की नमी प्रभावित हो रही है और साल दर साल खेती की लागत बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण और जैविक खेती मृदा संबंधी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने कहा कि साथ ही जैविक खेती जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी मदद करती है।

'तकनीकी संस्थान आदर्श डिजिटल गांव बनाने में मदद कर सकते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जैसे उच्च तकनीकी संस्थान सरल तकनीकी समाधान विकसित करके और लोगों को डिजिटल कौशल प्रदान करके आदर्श डिजिटल गांव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि एनआईटी दिल्ली के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि संस्थान ने आधुनिक बुनियादी ढांचे, शैक्षणिक उत्कृष्टता, बहु-विषयक शिक्षा और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए बहुत कम समय में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल छात्रों को भविष्य की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार करती है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि एनआईटी दिल्ली ने उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए एक स्टार्ट-अप केंद्र स्थापित किया है और छात्रों और संकाय सदस्यों को विचारों को व्यवहार्य व्यवसायों में बदलने में मदद करने के लिए एक इनक्यूबेशन केंद्र की स्थापना कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से स्वरोजगार को मजबूती मिलेगी तथा नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि देश के दृष्टिकोण में समावेशी विकास, तकनीकी उन्नति, पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता शामिल है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, स्किल इंडिया, सुगम्य भारत अभियान और उन्नत भारत अभियान जैसी प्रमुख सरकारी योजनाएं इस लक्ष्य की दिशा में सामूहिक गति को दर्शाती हैं।

यूट्यूब ने नए एआई टूल, गठजोड़ की पेशकश की

नई दिल्ली/भाषा। वीडियो सेवा से जुड़े मंच यूट्यूब ने भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी और सुरक्षा सुविधाओं के साथ ही नए एआई आधारित टूल पेश किए हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में वार्षिक 'यूट्यूब इम्पैक्ट' शिखर सम्मेलन में कंपनी ने ऑक्सफोर्ड इकॉनमिक्स की एक रिपोर्ट का भी उल्लेख किया, जिसमें बताया गया कि यूट्यूब के रचनात्मक पारिस्थितिकी तंत्र ने पिछले साल भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 16,000 करोड़ रुपए से अधिक का योगदान दिया। साथ ही इसमें दावा किया गया कि यूट्यूब ने 9.3 लाख से अधिक पूर्णकालिक समकक्ष नौकरियों का समर्थन किया। एक बयान के अनुसार, यूट्यूब ने भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के साथ साझेदारी की है। साथ ही रचनात्मकता को उजागर करने और भारतीयों को विश्वसनीय जानकारी से जोड़ने के लिए तैयार किए गए नए एआई आधारित टूल भी पेश किए हैं।

संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान संरचना का पुनर्मूल्यांकन जरूरी : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संयुक्त राष्ट्र से संबंधित सुधारों की आवश्यकता पर जोर देते हुए बुधवार को कहा कि युद्ध, आतंकवाद, जलवायु संकट और डिजिटल चुनौतियों जैसे गंभीर मुद्दों से जूझ रहे विश्व में संवाद, सहयोग और समयबद्ध वैश्विक सुधार अनिवार्य हो गए हैं।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बिरला ने मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान संरचना के पुनर्मूल्यांकन के महत्व पर बल दिया। बिरला कहा कि भारत के प्राचीन दर्शन वसुधैव कुटुम्बकम और संविधान में निहित शांति, सौहार्द और समता के सिद्धांत देश की वैश्विक प्रतिबद्धता का आधार हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में भारत की सक्रिय भूमिका, 3,00,000 से अधिक शांति सैनिकों के योगदान और कोविड-19 महामारी के दौरान 150 से अधिक देशों को दी गई वैक्सीन सहायता का उल्लेख किया।

कांग्रेस 'बोझ' बन गई है और इसके कारण उसके सहयोगी दल डूब रहे हैं : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धमतरी (छत्तीसगढ़)/भाषा। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि यह पार्टी 'बोझ' बन गई है तथा इसके कारण उसके सहयोगी दल डूब रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 21वीं किस्त वितरित करने के लिए आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि मोदी सरकार में नक्सलवाद और आतंकवाद बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हाल में हुए विस्फोट के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा, चाहे वे कहीं भी छिपे हों। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''आज कांग्रेस बोझ बन गई है। बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से हाथ मिलाया और नतीजे देखिए। कांग्रेस एक ऐसा बोझ बन गई है कि जिसके साथ भी जुड़ती है, वह डूब जाती है। राहुल गांधी जहां भी जाते हैं, वहां तबाही मच जाती है।''

चौहान ने कहा, ''वह (गांधी) कौन से मुद्दे उठाते हैं? वह जनता के मुद्दे नहीं उठाते...राहुल गांधी ने एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) और मतदाता सूची का मुद्दा उठाया। उन्होंने मां का अपमान किया और बिहार ने उन्हें ऐसा तमाचा मारा कि अब वह सांस भी नहीं ले पा रहे और उठ भी नहीं पा रहे।''

आरएसएस के बारे में पूर्वाग्रहों के आधार पर कोई राय न बनाएं युवा : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संघ का मुख्य उद्देश्य भारत को 'विश्वगुरु' बनाना है।

गुवाहाटी/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को असम और पूर्वोत्तर भारत के युवाओं से अपील की कि वे संगठन के बारे में पूर्वाग्रहों या दुष्प्रचार के आधार पर अपनी राय न बनाएं।

भागवत ने अपनी तीन दिवसीय असम यात्रा के अंतिम दिन युवा नेतृत्व सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरएसएस के सिद्धांतों, आदर्शों व कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला, साथ ही संगठन के बारे में चल रहे वाद-विवाद और चर्चाओं का जवाब दिया। उन्होंने कहा, आरएसएस अब सार्वजनिक चर्चाओं का विषय बन गया है, लेकिन ये चर्चाएं तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए।

भागवत ने दावा किया कि अंतरराष्ट्रीय मंचों और डिजिटल स्रोतों पर संघ के बारे में 50 प्रतिशत से अधिक जानकारी या तो गलत है या अधूरी है। उन्होंने विभिन्न मीडिया संस्थानों पर आरएसएस के बारे में जानबूझकर गलत सूचना फैलाने का अभियान चलाने का आरोप लगाया।

आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि संघ का मुख्य उद्देश्य भारत को 'विश्वगुरु' बनाना है। उन्होंने कहा, राष्ट्र का उत्थान तभी हो सकता है जब समाज का उत्थान हो। एकजुट समाज ही एक प्रगतिशील राष्ट्र का नेतृत्व कर सकता है। उन्होंने युवाओं से विकसित देशों के इतिहास का अध्ययन करने का आग्रह किया और कहा कि अध्ययन के दौरान वे पाएंगे कि उन्होंने विकास के पहले सौ वर्ष के दौरान समाजों में एकता और गुणात्मक शक्ति कायम करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा, भारतीय समाज को भी इसी तरह विकसित होने की आवश्यकता है और यह विचार आरएसएस के सामाजिक परिवर्तन के पांच प्रमुख सिद्धांतों में परिलक्षित होता है, जो इसके शताब्दी वर्ष के अवसर पर अपनाए गए हैं।

भागवत ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत की महानता भाषाई, क्षेत्रीय व आस्था-आधारित विविधताओं का सम्मान करने और उन्हें स्वीकार करने की उसकी दीर्घकालिक परंपरा में निहित है।

विविधता के महत्व पर बात करते हुए उन्होंने कहा पाकिस्तान समेत भारत से अलग होने वालों ने अंततः इन परंपराओं को खो दिया। उन्होंने दावा किया कि हिंदू विविधता का सम्मान करते हैं और ऐसे समाज का निर्माण करना आरएसएस का प्राथमिक उद्देश्य है।

जयंती

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अन्य बुधवार को बेंगलूरु में केपीसीसी में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती समारोह में भाग लेते हुए।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी की जयंती पर साड़ी वितरण योजना शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को इंदिराम्मा साड़ी वितरण योजना शुरू की, जिसके तहत पात्र महिलाओं को साड़ियां दी जाएंगी।

रेड्डी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि साड़ियों का वितरण दो चरणों में किया जाएगा क्योंकि बुनाई की प्रक्रिया में अधिक समय की आवश्यकता होती है। पहले चरण में, गांवों की सभी पात्र महिलाओं को नौ दिसंबर तक साड़ियां मिलेंगी। दूसरे चरण में, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक से आठ मार्च तक शहरी क्षेत्रों में महिलाओं को 65 लाख साड़ियां वितरित की जाएंगी।

रेड्डी ने महिला मंत्रियों और विधायकों से इंदिराम्मा साड़ी पहनने और महिलाओं के आत्मसम्मान को प्रदर्शित करने के लिए 'ब्रांड एंबेसडर' के रूप में काम करने की अपील की। रेड्डी ने कहा कि इंदिरा गांधी ने डॉ. बी. आर. अंबेडकर की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम किया और बैंकों के राष्ट्रीयकरण, कृषि भूमि सीमा अधिनियम के कार्यान्वयन, गरीबों को भूमि वितरण और घरों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने क्रांतिकारी सुधारों के लिए इंदिरा गांधी की प्रशंसा की और कहा कि वह भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान मजबूती से खड़ी रहीं और देश की रक्षा की।

इंदिरा गांधी का जन्म 19 नवंबर 1917 को हुआ था। वह 1966 से 1977 तक और फिर 1980 से 31 अक्टूबर 1984 तक देश की प्रधानमंत्री रहीं।

श्री सत्य साईं बाबा के आध्यात्मिक केंद्र में सभी धर्मों के लोगों के मन को शांति मिली: नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि दिवंगत आध्यात्मिक नेता श्री सत्य साईं बाबा द्वारा शुरू किए गए श्री सत्य साईं सेंट्रल ट्रस्ट में दुनिया भर के सभी धर्मों और समुदायों के लोगों के मन को शांति मिलती है।

मुख्यमंत्री ने यहां श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में कहा कि आध्यात्मिक केंद्र में लोगों को उनकी समस्याओं का समाधान मिला और जो लोग बोझ लेकर यहां आए थे, वे नई ऊर्जा के साथ लौटे। नायडू ने कहा, दुनिया भर से सभी धर्मों और सभी समुदायों के लोगों के मन को यहां शांति मिली। उन्हें अपनी कठिनाइयों और समस्याओं का समाधान मिला। जो लोग बोझ लेकर आए थे वे नई ऊर्जा के साथ लौटे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्य साईं बाबा में ईश्वर की छवि दिखलाई देती थी। उन्होंने कहा दिवंगत आध्यात्मिक गुरु 'सभी से प्रेम करो-सभी की सेवा करो, सदा सहायता करो, घृणा कभी मत करो' के मूलमंत्र के प्रतीक थे और उन्होंने अपने आचरण से इन बातों को करके दिखाया था।

सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बैंकों में 3.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक जमा: मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अब तक चार करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं और इन खातों में 3.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि जमा की जा चुकी है।

श्री सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारतीय परंपरा में गायों को जीवन, समृद्धि और करुणा का प्रतीक माना जाता है क्योंकि वे इन परिवारों की वित्तीय, पोषण संबंधी और सामाजिक भलाई में मदद करती हैं।

मोदी ने कहा, दस वर्ष पहले भारत सरकार ने बेटियों की शिक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए 'सुकन्या समृद्धि योजना' शुरू की थी। यह देश की उन योजनाओं में से एक है, जिसमें हमारी बेटियों को सबसे अधिक यानी 8.2 प्रतिशत ब्याज दर मिलती है। अब तक सुकन्या समृद्धि योजना के तहत चार करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं और आपको यह जानकर खुशी होगी कि इन खातों में अब तक 3.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि जमा हो चुकी है।

गोरक्षा के मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ वर्ष पहले राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत वाराणसी में लोगों को 480 से अधिक गायें प्रदान की गईं थीं। उन्होंने बताया कि वाराणसी में एक नई परंपरा शुरू की गई है जिसमें दी जा चुकी गाय से जन्मी बछिया अन्य क्षेत्र में किसानों को निशुल्क प्रदान की जाती है और इससे गायों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा, हमारी परंपरा में 'गौ माता' को जीवन, समृद्धि और करुणा का प्रतीक माना गया है। ये गायें इन परिवारों की आर्थिक, पोषण संबंधी और सामाजिक भलाई में सहायक होती हैं। गौ माता की रक्षा से समृद्धि का संदेश देश के कोने-कोने में और विदेशों में भी देखा जा सकता है।

मोदी ने दिवंगत आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साई बाबा को भी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनकी शिक्षाएं और सेवा दुनिया भर में लाखों अनुयायियों का मार्गदर्शन करती रहेंगी। मोदी ने उनकी स्मृति में 100 रुपए का सिक्का और डाक टिकटों का एक सेट भी जारी किया।

सेबी ने गैर-पंजीकृत ऑनलाइन बॉन्ड मंच प्रदाताओं को लेकर निवेशकों को आगाह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेबी ने बुधवार को निवेशकों से गैर-पंजीकृत ऑनलाइन बॉन्ड मंच को लेकर सावधानी बरतने और लेनदेन से बचने का आग्रह किया।

नियामक ने कहा कि इन मंचों पर नियामकीय निगरानी का अभाव है और निवेशकों की सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बयान में निवेशकों से कहा कि वे लेनदेन से पहले ऑनलाइन बॉन्ड मंच प्रदाताओं (ओबीपीपी) की पंजीकरण स्थिति का जांच कर लें और अपने हितों की रक्षा के लिए केवल सेबी-पंजीकृत इकाइयों के साथ ही लेनदेन करें। इसके अलावा, सभी बाजार सहभागियों को ओबीपीपी के रूप में कोई भी सेवा प्रदान करने से पहले लागू नियामक ढांचे का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आगाह किया गया है। यह कदम तब उठाया गया जब सेबी ने पाया कि वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों और शेयर ब्रोकर सहित कुछ संस्थाएं, शेयर बाजारों से अनिवार्य पंजीकरण प्राप्त किए बिना ऑनलाइन बॉन्ड मंच प्रदाताओं के रूप में सेवाएं प्रदान कर रही हैं। इसमें कहा गया, ''ऐसे गैर-पंजीकृत मंच पर नियामक या पर्यवेक्षी निगरानी का अभाव है और ये निवेशक सुरक्षा या शिकायत निवारण के लिए कोई व्यवस्था प्रदान नहीं करते हैं।''

सत्य साई बाबा की शिक्षाएं 140 देशों में लाखों लोगों को प्रकाश दिखा रही हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साई बाबा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनकी शिक्षाएं और सेवा दुनिया भर में लाखों अनुयायियों का मार्गदर्शन करती रहेंगी।

मोदी ने सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में उनकी स्मृति में एक सिक्का और डाक टिकटों का एक सेट भी जारी किया।

मोदी ने कहा, श्री सत्य साई बाबा का शताब्दी समारोह महज एक उत्सव नहीं, बल्कि एक दिव्य वरदान है। यद्यपि साई बाबा भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, फिर भी उनका प्रेम और सेवा भावना करोड़ों लोगों के लिए मार्गदर्शक शक्ति है। उन्होंने कहा कि 140 देशों में सत्य साई बाबा के लाखों भक्तों को नई रोशनी, दिशा मिल रही है और वे आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री सत्य साई बाबा ने सेवा को मानव जीवन के केन्द्र में रखा।

मोदी ने कहा कि आध्यात्मिक गुरु की जन्म शताब्दी सार्वभौमिक प्रेम, शांति और सेवा का उत्सव बन गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी सभी विविध आध्यात्मिक और दार्शनिक परंपराएं अंततः एक ही विचार की ओर ले जाती हैं, चाहे कोई भक्ति, ज्ञान या कर्म के मार्ग पर चले। गरीबों के कल्याण के लिए अपनी सरकार की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि अब उन पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चर्चा हो रही है।

इसके अलावा, 'लोकल फॉर वोकल' पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इससे देश को 'विकसित भारत' बनने में मदद मिलेगी।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन, श्री सत्य साई सेंट्रल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी आर जे रत्नाकर और अन्य ने भाग लिया।

समारोह के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोदी ने यहां सत्य साई बाबा की महासमाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी।

महाराष्ट्र में दोषसिद्धि दर बढ़कर 53% हुई, 90% तक जा सकती है: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में दोषसिद्धि दर 2013 के नौ प्रतिशत से बढ़कर अब 53 प्रतिशत हो गई है तथा नए आपराधिक कानूनों के माध्यम से यह दर संभावित रूप से 90 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

एक समारोह को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा कि नव-क्रियान्वित केंद्रीय आपराधिक कानून डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को कानूनी मान्यता देकर पीड़ितों के लिए समयबद्ध न्याय की गारंटी देंगे। फडणवीस गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। आजाद मैदान में नए आपराधिक कानूनों पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा, (पूर्ववर्ती) भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम, जो एक सदी से भी अधिक समय पहले अंग्रेजों द्वारा बनाए गए थे, त्वरित न्याय प्रदान करने के लिए नहीं बनाए गए थे, जबकि नए कानून (बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए) पीड़ितों के लिए न्याय को प्राथमिकता देते हैं और अपराधियों के लिए सख्त सजा सुनिश्चित करते हैं।

नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है।

वैध वीजा न होने पर सीरियाई नागरिक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

द्वारका/भाषा। गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले में पुलिस ने सीरिया के एक व्यक्ति को वैध वीजा न होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति के स्थानीय साथी को भी पकड़ लिया गया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट के बाद कड़ी जांच के बीच द्वारका पुलिस को खंभालिया के पास धरमपुर गांव के एक स्कूल में अंग्रेजी बोलने वाले एक संदिग्ध विदेशी नागरिक के रहने की सूचना मिली थी। विज्ञप्ति में बताया गया कि इसके बाद पुलिस ने इस सप्ताह की शुरुआत में सीरिया के जाबलेह निवासी 29 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके 33 वर्षीय साथी व स्थानीय निवासी को हिरासत में लिया।

अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि सीरिया का नागरिक उस स्कूल में काम करता था, जिसका संचालन अन्य आरोपी करते थे।

पुलिस ने सीरिया के नागरिक के पास से तीन पासपोर्ट और राजकोट के मारवाड़ी एजुकेशन फाउंडेशन में पढ़ाई के लिए जारी किया गया एक छात्र वीजा भी जब्त किया, जिसकी अवधि समाप्त हो चुकी थी।

लोग मुझे सत्य साईं बाबा जैसे बालों वाला लड़का कहते थे: सचिन तेंदुलकर

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश)/भाषा। पूर्व क्रिकेट कप्तान सचिन तेंदुलकर ने बुधवार को खुलासा किया कि उन्होंने पांच साल की उम्र तक कभी बाल नहीं कटवाए थे, जिसके कारण लोग उन्हें सत्य साईं बाबा जैसे बाल वाला लड़का कहने लगे थे।

सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में तेंदुलकर ने याद किया कि दिवंगत आध्यात्मिक नेता ने 2011 विश्व कप से पहले बेंगलूरु में एक प्रशिक्षण शिविर के दौरान उन्हें एक पुस्तक भेजी थी, जो बाद में उनका हमेशा की साथी बन गई। उन्होंने कहा, मुझे याद है, मैं केवल पांच साल का था और स्कूल सहित मैं जहां भी जाता था, लोग मुझे 'वो जो छोटा बच्चा है ना, जिसके बाल सत्य साईं बाबा जैसे हैं' कहकर बुलाते थे। तेंदुलकर ने कहा, वो ही लड़का, वो बहुत शरारती लड़का था...ये बड़े बाल सिर्फ़ इसलिए थे क्योंकि मैंने पांच साल की उम्र तक बाल नहीं कटवाए थे।'' किताब का ज़िक्र करते हुए, तेंदुलकर ने कहा कि इसने उन्हें मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने और चुनौतीपूर्ण क्षणों में निश्चित रहने की आंतरिक शक्ति दी। उन्होंने 2011 विश्व कप में मुंबई में श्रीलंका के खिलाफ भारत की जीत को अपने क्रिकेट करियर का स्वर्णिम क्षण बताया। उन्होंने कहा, ''और यह हमारे शुभचिंतकों, हमारे गुरुओं और सबसे बढ़कर, बाबा के आशीर्वाद से ही संभव हो पाया।

तेंदुलकर ने कहा कि सत्य साईं बाबा हमेशा सलाह देते थे कि लोगों का मूल्यांकन न करें, बल्कि उन्हें समझें, उन्हें वैसे ही स्वीकार करें जैसे वे हैं, और उसके अनुसार खुद को ढालें।

आहार में अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की मात्रा बढ़ी, उत्पादन व विपणन में कटौती की जरूरत : अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया भर में आहार में अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी बढ़ रही है, ऐसे में ये ताजा तथा न्यूनतम प्रसंस्कृत भोजन की जगह ले सकते हैं, जिससे आहार की गुणवत्ता खराब हो सकती है और दीर्घकालिक बीमारियों का वैश्विक बोझ बढ़ सकता है। 'द लैंसेट' पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्रों में यह दावा किया गया है। द लैंसेट की 'अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स एंड ह्यूमन हेल्थ' शृंखला के अंतर्गत प्रकाशित तीन अध्ययनों के माध्यम से, शोधकर्ताओं ने तर्क दिया है कि अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों (यूपीएफ) से निपटने तथा दुनिया भर में आहार की गुणवत्ता में सुधार के लिए तत्काल और निर्णायक सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्रवाई की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि खाने की आदतों में सुधार केवल उपभोक्ता व्यवहार पर निर्भर नहीं हो सकता और यूपीएफ के उत्पादन, विपणन और खपत में कटौती के लिए समन्वित नीतियों की आवश्यकता है। नमक और चीनी की अधिक मात्रा की ओर ध्यान आकर्षित करने तथा स्वस्थ भोजन तक पहुंच में सुधार करने की भी आवश्यकता है। ब्राजील के साओ पाओलो विवि से जुड़े शोधपत्र के प्रमुख लेखक कार्लोस मोंटेइरो ने कहा, ''अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की बढ़ती खपत दुनिया भर में खानपान की आदतों को नया रूप दे रही है, और ताजा तथा न्यूनतम प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और भोजन का स्थान ले रही है।''

हिमाचल : मुख्यमंत्री सुक्खू ने दून में 383 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को सोलन जिले के दून विधानसभा क्षेत्र में 383 करोड़ रुपए की 12 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने 86 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित बद्दी-साईं-रामशहर सड़क, दून में 15.78 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित ट्यूबवेल, बद्दी में 10.64 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नागरिक अस्पताल और बरोटीवाला में 3.15 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन का उद्घाटन किया। यहां जारी एक बयान के अनुसार, सुक्खू ने बद्दी शिक्षा खंड के हरिपुर संधोली, सूरज माजरा, लुबाना और चक्कन में नवनिर्मित राजकीय प्राथमिक विद्यालयों का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने बद्दी में 73.21 करोड़ रुपए की विद्युत आपूर्ति योजना, 63.73 करोड़ रुपए की बद्दी-शीतलपुर-जगतखाना सड़क, 40 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले आईएसबीटी, 37.67 करोड़ रुपए की लागत वाले मिनी सचिवालय भवन, बद्दी के छूटे हुए क्षेत्रों के लिए 37.10 करोड़ रुपए की सीवरेज योजना और कल्याणपुर में पांच करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल की आधारशिला रखी।

महाराष्ट्र में दोषसिद्धि दर बढ़कर 53% हुई, 90% तक जा सकती है: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में दोषसिद्धि दर 2013 के नौ प्रतिशत से बढ़कर अब 53 प्रतिशत हो गई है तथा नए आपराधिक कानूनों के माध्यम से यह दर संभावित रूप से 90 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

एक समारोह को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा कि नव-क्रियान्वित केंद्रीय आपराधिक कानून डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को कानूनी मान्यता देकर पीड़ितों के लिए समयबद्ध न्याय की गारंटी देंगे। फडणवीस गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। आजाद मैदान में नए आपराधिक कानूनों पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा, (पूर्ववर्ती) भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम, जो एक सदी से भी अधिक समय पहले अंग्रेजों द्वारा बनाए गए थे, त्वरित न्याय प्रदान करने के लिए नहीं बनाए गए थे, जबकि नए कानून (बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए) पीड़ितों के लिए न्याय को प्राथमिकता देते हैं और अपराधियों के लिए सख्त सजा सुनिश्चित करते हैं।

नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है।

पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में 'मामूली' बदलाव की जरूरत, अगले महीने शुरू होगा संचालन : रेल मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि यात्रियों की सुविधा में सुधार के लिए पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में मामूली बदलाव का काम जारी है और इस नई ट्रेन का संचालन अगले महीने से होगा। मंत्री ने बताया कि पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के परीक्षण के बाद, डिब्बे और सीटों में मामूली बदलावों का सुझाव दिया गया था, जिन पर अब काम किया जा रहा है।

वैष्णव ने कहा, ''पहली ट्रेन के परीक्षण के दौरान जो भी समस्याएं सामने आईं, हम उन्हें दूर कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''ये बदलाव मामूली हैं, लेकिन हम इन्हें बड़ा मान रहे हैं क्योंकि हम यात्रियों की सुविधा के उच्च मानकों के अनुरूप इन्हें तैयार करना चाहते हैं।'' यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा पर जोर देते हुए वैष्णव ने कहा, ''हम 'शॉर्टकट' में विश्वास नहीं करते क्योंकि हमें अगली पीढ़ी के लिए एक अच्छा उत्पाद बनाना है।'' मार्ग और ट्रेन शुरू होने की संभावित तारीख के बारे में पूछे जाने पर, वैष्णव ने कहा, ''हम दिसंबर में इस ट्रेन का संचालन शुरू करेंगे।'' भारत अर्थ मूवर्स लि. जो 10 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का निर्माण कर रही है, के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन और रेलवे सुरक्षा आयुक्त की देखरेख में व्यापक परीक्षण के बाद पहली ट्रेन मामूली बदलाव के लिए उनके पास पहुंच गई है।

2025-26 में मनरेगा के तहत सृजित मानव दिवसों में कमी दर्ज की गई : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मनरेगा के तहत 2025-26 में मानव दिवसों की संख्या में पिछले दो वित्तीय वर्षों की तुलना में 25.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष और इस वर्ष सितंबर तक बड़ी संख्या में नाम हटाने की प्रवृत्ति उलट गई। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली।

कार्यकर्ताओं और शिक्षाविदों के संघ 'लिबटेक इंडिया' द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट 'भारत में मनरेगा कार्यान्वयन: अंतर्दृष्टि और रुझान, अप्रैल-सितंबर 2025' में कहा गया है कि 2022-23 और 2023-24 में बड़ी संख्या में श्रमिकों के नाम हटाए जाने की प्रवृत्ति देखी गई थी, जो 2024-25 में उलट गई, और यह रुझान इस वर्ष भी जारी रहा। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वर्ष अप्रैल से सितंबर के बीच देश भर में इस योजना के तहत 132.5 करोड़ मानव दिवस सृजित किए गए, जो 2024-25 की इसी अवधि के 150.1 करोड़ से 11.7 प्रतिशत कम है और 2023-24 के 178.1 करोड़ से 25.6 प्रतिशत कम है। रिपोर्ट में कहा गया है, यह मनरेगा के तहत हर साल रोज़गार सृजन में क्रमिक गिरावट की चिंताजनक प्रवृत्ति को उजागर करता है। रिपोर्ट के अनुसार 2024-25 की तुलना में 2025-26 में केवल आठ राज्यों में रोज़गार सृजन में वृद्धि दर्ज की गई और 11 राज्यों में गिरावट देखी गई, जबकि पश्चिम बंगाल में दोनों ही वर्षों में कोई भी रोज़गार सृजन दर्ज नहीं किया गया। राज्यों में, उत्तराखंड (54.3%) और तेलंगाना (47.6%) में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जबकि झारखंड (56.4%) व मध्यप्रदेश (30.5%) में 2025-26 में सृजित मानव दिवसों में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023-24 के दौरान रोजगार सृजन अपेक्षाकृत बेहतर रहा, जबकि उसी वर्ष 2.37 करोड़ श्रमिकों के नाम हटाए गए।

भारतीय सेना ने सैनिकों की नई तरह की वर्दी के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार हासिल किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना ने तीन परत वाली नई तरह की वर्दी के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार हासिल कर लिया है। यह सैनिकों के शरीर को विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में सुरक्षित रखने के साथ-साथ उनकी सैन्य गतिविधियों के भी अनुकूल है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि 'न्यू कोट कॉम्बैट' को आर्मी डिजाइन ब्यूरो के तत्वावधान में एक परामर्श परियोजना के रूप में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), दिल्ली द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। एक बयान के अनुसार, नई तरह की वर्दी (डिजिटल प्रिंट) सेना के आधुनिकीकरण, स्वदेशीकरण और सैनिकों को आरामदेह वर्दी प्रदान करने की दिशा में एक और मील का पत्थर साबित होगा।

अधिकारियों ने बताया कि तीन-परत वाली इस वर्दी में उन्नत तकनीकी वस्त्रों का उपयोग किया गया है तथा इसमें एर्गोनोमिक डिजाइन है, जिसे विभिन्न जलवायु और सामरिक स्थितियों में सहजता, गतिशीलता और संचालन दक्षता में सुधार के लिए तैयार किया गया है। बयान में कहा गया है कि भारतीय सेना ने नए कोट कॉम्बैट (डिजिटल प्रिंट) के डिजाइन को पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक, कोलकाता में सफलतापूर्वक पंजीकृत करा लिया है तथा इसे सात अक्टूबर 2025 को पेटेंट कार्यालय की आधिकारिक पत्रिका में प्रकाशित किया गया।

प्राकृतिक खेती भारत का अपना स्वदेशी विचार : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत जैविक खेती का वैश्विक केन्द्र बनने की राह पर है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह देश की स्वदेशी और पारंपरिक पद्धति है। मोदी ने यहां दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन 2025 और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कहा कि युवा तेजी से कृषि को एक आधुनिक और व्यापक अवसर के रूप में पहचान रहे हैं और इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को काफी मजबूती मिलेगी। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार जीत के बाद मोदी ने अपने यहां आगमन पर लोगों द्वारा गमछा लहराने का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था कि ''बिहार की हवा'' उनसे पहले ही तमिलनाडु में आ गई है।

तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला राजग अगले साल विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन से मुकाबला करेगा। विपक्षी गठबंधन एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से हटाने के लिए भरसक प्रयास कर रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने नौ करोड़ किसानों को सहायता देने के लिए पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी की। इस किस्त की कुल राशि 18,000 करोड़ रुपये से अधिक है। मोदी ने कहा कि इस योजना के तहत अब तक छोटे किसानों के बैंक खातों में सीधे चार लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किए जा चुके हैं, जिससे वे विभिन्न कृषि जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हो गए हैं। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत यह कहते हुए की कि प्राकृतिक खेती उनके दिल के बहुत करीब है। मोदी ने कहा कि प्राकृतिक खेती का विस्तार 21वीं सदी की कृषि की जरूरत है। हाल के वर्षों में, बढ़ती मांग के कारण खेतों और कृषि से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में रसायनों के इस्तेमाल में तेजी से वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि रसायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता कम हो रही है, मिट्टी की नमी प्रभावित हो रही है और साल दर साल खेती की लागत बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण और जैविक खेती मृदा संबंधी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने कहा कि साथ ही जैविक खेती जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी मदद करती है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती भारत का अपना स्वदेशी विचार है और यह देश की परंपराओं में निहित है तथा पर्यावरण के अनुकूल है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य प्राकृतिक खेती को पूरी तरह से विज्ञान समर्थित आंदोलन बनाना होना चाहिए। उन्होंने कहा, प्राकृतिक खेती एक स्वदेशी भारतीय अवधारणा है – कहीं और से आयातित नहीं है बल्कि परंपरा से जन्मी और पर्यावरण के साथ जुड़ी हुई है। मोदी ने कहा, भारत प्राकृतिक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर है।'' उन्होंने कहा कि देश की जैव विविधता विकसित हो रही है और युवा अब कृषि को एक आधुनिक और व्यापक अवसर के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बदलाव से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को काफी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में पूरे कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि भारत का कृषि निर्यात लगभग दोगुना हो गया है और सरकार ने कृषि के आधुनिकीकरण में किसानों की सहायता के लिए हरसंभव अवसर खोले हैं। उन्होंने कहा कि अकेले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के माध्यम से ही इस वर्ष किसानों को 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सहायता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि सात साल पहले पशुधन और मत्स्य पालन क्षेत्रों को केसीसी लाभों का विस्तार दिए जाने के बाद से, इन क्षेत्रों में कार्यरत लोग भी इसका व्यापक लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैव-उर्वरकों पर जीएसटी में कमी से किसानों को और लाभ हुआ है। प्राकृतिक खेती के एक एकड़, एक मौसम' की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि जैविक खेती जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने, मिट्टी की उर्वरता को पुनर्जीवित करने और फसलों के पोषण मूल्य को बढ़ाने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि देश को प्राकृतिक खेती के रास्ते पर आगे बढ़ना होगा और यह एक दृष्टिकोण और आवश्यकता दोनों है और तभी जैव विविधता को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जा सकेगा। केंद्र सरकार किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रही है और एक साल पहले उसने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन शुरू किया था, जिससे अब तक लाखों किसान जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल का सकारात्मक प्रभाव विशेष रूप से दक्षिण भारत में दिखाई दे रहा है, अकेले तमिलनाडु में लगभग 35,000 हेक्टेयर भूमि पर जैविक और प्राकृतिक खेती की जा रही है। मोदी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि दक्षिण भारत में किसान लगातार पारंपरिक प्राकृतिक कृषि पद्धतियों जैसे पंचगव्य, जीवामृत, बीजामृत आदि को अपना रहे हैं, जिससे मृदा की स्थिति में सुधार होता है, फसलें रसायन मुक्त रहती हैं और लागत भी कम होती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'श्री अन्न' (मिलेट्स) की खेती को प्राकृतिक खेती के साथ एकीकृत करना धरती माता की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और मोटा अनाज दक्षिणी राज्यों में पीढ़ियों से पारंपरिक आहार का हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस 'सुपरफूड' को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक और रसायन-मुक्त खेती इसकी अंतरराष्ट्रीय पहुंच बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। मोदी ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन में ऐसे प्रयासों पर चर्चा जरूर होनी चाहिए।

बहु-फसलीय कृषि का समर्थन करते हुए, उन्होंने केरल और कर्नाटक के पहाड़ी इलाकों का उदाहरण दिया जहां नारियल, सुपारी, फलदार पौधे, मसाले और काली मिर्च जैसी कई फसलें एक ही खेत में उगाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी एकीकृत खेती प्राकृतिक खेती के मूल दर्शन को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि कृषि के इस मॉडल को अखिल भारतीय स्तर पर बढ़ावा दिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने जब दो छात्राओं को राष्ट्र के आर्थिक परिवर्तन के लिए उनके दृष्टिकोण की सराहना करते हुए तख्तियां लहराते देखा तो उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से इन तख्तियों को लाने को कहा और छात्राओं की सराहना की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कोयंबटूर में हुआ स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को यहां पहुंचे, जहां वह प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री के यहां पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। आगमन के बाद, प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे से कोयंबटूर जिला लघु उद्योग संघ (सीओडीआईएसएसआईए) मैदान तक लगभग दो किलोमीटर की दूरी तक रोड शो किया और आम जनता तथा पार्टी कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए सड़क के दोनों ओर खड़े थे। उनके स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये और लोगों ने प्रधानमंत्री के वाहन पर पुष्प वर्षा की। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि, अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी के पलानीस्वामी, टीएमसी (मूपनार) प्रमुख जी के वासन, भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री की अगवानी की। प्रधानमंत्री ने यहां दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन 2025 के अंतर्गत एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और उन किसानों से बातचीत की जिन्होंने प्रदर्शनी में स्टॉल लगाए हैं। उन्होंने किसानों/उनके प्रतिनिधियों की बात सुनी जिन्होंने उन्हें प्रदर्शनी में प्रदर्शित उत्पादों के बारे में जानकारी दी। किसान नेता पी आर पांडियन भी इस मौके पर मौजूद थे।

मदुरै, कोयंबटूर के लिए मेट्रो की मंजूरी न देने का केंद्र का फैसला 'बदले की कार्रवाई' : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को मदुरै और कोयंबटूर के लिए मेट्रो रेल परियोजनाओं को खारिज करने पर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर निशाना साधा और इसे राज्य के लोगों के ''खिलाफ बदले'' की कार्रवाई बताया। स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्र ने राज्य को मंदिरों के शहर' मदुरै और दक्षिण भारत के मैनचेस्टर' कोयंबटूर के लिए मेट्रो की सुविधा से इनकार किया है, जबकि भाजपा शासित राज्यों के छोटे शहरों में भी इसी तरह की परियोजनाओं को मंजूरी दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में कहा, केंद्र की भाजपा सरकार ने मंदिरों के शहर मदुरै और दक्षिण भारत के मैनचेस्टर' कोयंबटूर के लिए मेट्रो रेल की अनुमति कमजोर दलीलों के आधार पर देने से इनकार कर दिया है। सरकार बिना किसी पक्षपात के जनता की सेवा के लिए होती है। फिर भी, केंद्र की भाजपा सरकार तमिलनाडु की लोकतांत्रिक पसंद (द्रमुक सरकार) से बदला लेने का बहाना बना रही है।

खबरों के अनुसार, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने हाल ही में मेट्रो रेल नीति, 2017 का हवाला देते हुए तमिलनाडु की 'द्वितीय श्रेणी' के दो शहरों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट वापस कर दी है। इस नीति के तहत, 2011 की जनगणना के अनुसार 20 लाख से कम आबादी वाले शहरी क्षेत्रों को केंद्र सरकार से सहायता नहीं मिल सकती। केंद्र ने राज्य के प्रस्तावों को खारिज करते हुए अपने पत्र में बताया कि 2011 में कोयंबटूर और मदुरै की जनसंख्या क्रमशः 15.84 लाख और 15 लाख थी, जो निर्धारित सीमा से कम है। नीति के ''असमान क्रियान्वयन'' पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आगरा, भोपाल और पटना जैसे शहरों में मेट्रो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जो 20 लाख के मानक से नीचे हैं लेकिन (ये) भाजपा शासित राज्यों में स्थित हैं। उन्होंने तर्क दिया कि केंद्र सरकार भाजपा के खिलाफ तमिलनाडु के लोकतांत्रिक फैसले को वहां के लोगों को महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे से वंचित करके बदला लेने के एक बहाने के रूप में देख रही है। स्टालिन ने कहा कि सरकार को सभी के लिए निष्पक्ष तरीके से काम करना चाहिए और विपक्ष शासित राज्यों को दंडित करने का ऐसा कठोर दृष्टिकोण नहीं अपनाना चाहिए। उन्होंने परियोजनाओं को अस्वीकार किए जाने को अपमानजनक बताया।

तमिलनाडु के आठ जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

चेन्नई। दक्षिणी तमिलनाडु के आठ जिलों में मंगलवार को भारी बारिश का अनुमान है, क्योंकि बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव की प्रणाली के मजबूत होने से मौसम का मिजाज प्रभावित हो रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से उन जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है। कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, थूथुकुडी, रामनाथपुरम, शिवगंगा, विरुधुनगर, तेनकासी और थेनी में भारी बारिश को लेकर चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने को कहा है। बारिश का यह दौर शनिवार को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने एक निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण शुरू हुआ है और तब से यह उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ रहा है। इसके अलावा, आईएमडी ने 22 नवंबर को दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक दूसरा निम्न दबाव क्षेत्र बनने का अनुमान लगाया है। इसके बनने के बाद, इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 48 घंटों के भीतर तीव्र होने की उम्मीद है, जिससे आने वाले दिनों में तमिलनाडु में बारिश बढ़ सकती है।

बंगाल की खाड़ी से नमी का प्रवाह जारी रहने के कारण चेन्नई में आज मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस बीच, दक्षिणी तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों, मन्नार की खाड़ी और कुमारी सागर को समुद्री चेतावनी जारी कर दी गई है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है, क्योंकि इन जलक्षेत्रों में 55 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवाएं चलने की संभावना है। सोमवार को पूरे तमिलनाडु में, खासकर दक्षिणी क्षेत्र में, भारी बारिश दर्ज की गई। जिला प्रशासन स्कूल और कॉलेज बंद करने की आवश्यकता पर विचार कर रहे हैं। स्थानीय परिस्थितियों और बारिश की गंभीरता के आधार पर जिला कलेक्टर अंतिम निर्णय लेंगे।

आदर्श योजना विभाग
संस्कृत संवर्धन की योजना
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की केंद्रीय योजनाएं)
अन्तर्गत
केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित
56-57, इंस्टीटूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058

विज्ञापन संख्या : 02 / 2025 दिनांक : 20.11. 2025

संस्कृत संवर्धन की केंद्रीय योजनाओं के तहत मान्यता प्राप्त विभिन्न आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों (ASMs)/ आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों (ASSSs) में शिक्षण/ अन्य शैक्षिक पदों पर सीधी भर्ती के लिए रिक्तियों की अधिसूचना

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली (CSU) संस्कृत संवर्धन के लिए भारत सरकार की केंद्रीय योजनाओं को लागू करने हेतु शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की नोडल एजेंसी है। केंद्रीय योजनाओं में से एक, अर्थात 'आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों (ASMs)/ आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों (ASSSs) के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थानों को वित्तीय सहायता योजना (संशोधित आदर्श योजना - 2022) के तहत, देश के विभिन्न हिस्सों में वित्तीय शाहयता के लिए कई संतानों को ASMs/ASSSs के रूप में मान्यता दी गई है। इस सन्दर्भ में, इस योजना में निहित प्रावधानों के तहत, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली, इन अनुदानग्राही आदर्श संस्थानों की और से, उपर्युक्त योजना के तहत मान्यता प्राप्त विभिन्न ASMs/ASSSs में निम्नलिखित शिक्षण/अन्य शैक्षिणिक पदों पर सीधी भर्ती के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है। शिक्षण। अन्य शैक्षणकि पदों के लिए रिक्तियों की संख्या और आरक्षण का विवरण निम्नलिखित है :

क्र.सं.	पद	विषय	रिक्तियों संख्या और आरक्षण का विवरण*	
1.	सहायक आचार्य (शैक्षणिक वेतन स्तर -10 (₹ 57,700-1,82,400)	व्याकरण, दर्शन, साहित्य, पुराणेतिहास, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्मशास्त्र, वेद-पुरोहित्य एवं कर्मकांड, न्याय, वेदांत जैसे पारम्परिक संस्कृत विषयों में ; और अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, मणिपुरी जैसे आधुनिक विषयों में; तथा अनुसंधान (दर्शन / संस्कृत, पांडुलिपि विज्ञान, संपादन एवं प्रकाशन) में एवं ग्रंथालय विज्ञान	अनारक्षित-27, अनु. जाति-09, अनु. जनजाति-01, अन्य पिछड़ा वर्ग-15, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग-07	दिव्यांग व्यक्ति - 04
2.	कॉलेज लाइब्रेरियन (शैक्षणिक वेतन स्तर -10 (₹ 57,700-1,82,400)			
		कुल पद	59*	

⇨ ऑनलाइन पंजीकरण / आवेदन जमा करने की प्रारंभिक तिथि : 20.11.2025 (गुरुवार)।
⇨ ऑनलाइन पंजीकरण / आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 20.12.2025 (शनिवार) रात 11.30 बजे (IST) तक (जिसके बाद लिंक निष्क्रिय कर दिया जायेगा)
⇨ हार्ड कॉपी प्राप्त होने की अंतिम तिथि : 29.12.2025 (सोमवार)।

*अनु. जाति-अनुसूचित जाति(Scheduled Caste), अनु. जनजाति- अनुसूचित जनजाति(Scheduled Tribe), अन्य पिछड़ा वर्ग-अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर-क्रीमी लेयर) (Other Backward Class-Non-creamy Layer) दिव्यांक व्यक्ति-बेंचमार्क दिव्यांक व्यक्ति। (Persons with Benchmark Disability) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग-आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग(Economically Weaker Section) अनारक्षित(Unreserved)

नोट-1 - उपर्युक्त रिक्तियां संबंधित ASMs/ASSSs से प्राप्त जानकारी पर आधारित है और ये पूरे भारत में स्तिथ 16 ASMs/ASSSs की संयुक्त रिक्तियां हैं। विषय-वार और संसथान-वार रिक्तियों का विवरण तथा आवेदन भरने की प्रक्रिया आदि इस विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.sanskrit.nic.in पर 'Recruitment/Notification' (भर्ती/अधिसूचना) शीर्षक के तहत उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन में देखी जा सकती है। यह विज्ञापन सम्बंधित 16 ASMs/ASSSs की वेबसाइटों में भी देखा जासकता है। उम्मीदवारों को अनिवार्य रूप से वेबसाइट www.sanskrit.nic.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यह विज्ञापन केवल एक संक्षिप्त अधिसूचना है। इक्छुक उम्मीदवारों से विशेषग्रह है कि वे आवेदन भरने से पहले उपर्युक्त वेबपेज में विस्तृत विज्ञापन को अवश्य देखें। परीक्षाओं और साक्षात्कारों के आयोजन की तिथि आदि सूचना नियत समय पर केवल वेबसाइट www.sanskrit.nic.in के माध्यम से दी जाएगी। इसके अलावा, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे नवीनतम जानकारी प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर नियमित रूप से देखते रहे।

नोट-2 : इन पदों के लिए नियुक्ति प्राधिकारी (Appointing Authority) केवल सम्बंधित आदर्श संसथान हैं और वे ही चयनित उमीदवार (कर्मचारी) के नियोक्ता (Employer) माने जायेंगे। सभी आवेदक यह ध्यान रखें की 'इस योजना के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले ASM/ASSS में शिक्षण के साथ - साथ अन्य शैक्षणिक पदों पर नियुक्त सभी व्यक्ति उसी विशेष ASM/ASSS के कर्मचारी होंगे, न फिर भारत सरकार/ केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के। विश्वविद्यालय की दयता (Liability) ASM/ASSS को अनुदान / वित्तीय सहायता प्रदान करने और इस संशोधित आदर्श योजना, 2022 में निर्धारित मुद्दों पर प्रशासनिक नियंत्रण तक ही सीमित रहेगी।'

हस्ता./
कुलसचिव (प्र.)

CBC 21212/12/0002/2526

सड़क दुर्घटना में तीन ट्रेनी डॉक्टरों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के थूथुकुडी में साउथ बीच रोड पर एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में थूथुकुडी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (टीकेजीएमसीएच) के तीन ट्रेनी डॉक्टरों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

मरने वालों की पहचान कोयंबटूर के एस. सरूबन (23), पुडुकोट्टई के पी. राहुल जेबेस्टियन (23) और तिरुपत्तूर के एस. मुकिलन (23) के तौर पर हुई है। तीनों टीकेजीएमसीएच में मेडिकल की ट्रेनिंग कर रहे थे। घायलों, थूथुकुडी के आर. किरुथिक्कुकमार (23) और तिरुपत्तूर के सरन (23) का हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, एक्सीडेंट सुबह के समय हुआ जब सरूबन की चलाई जा रही सेडान में सवार पांच लोगों का ग्रुप बारिश से भीगे साउथ बीच रोड पर जा रहा था। शुरुआती जांच से पता चलता है कि कार तेज स्पीड में थी जब वह फिसलन वाली जगह पर फिसल गई। बताया जा रहा है कि ड्राइवर ने बैरिकेड के पास एक मोड़ पर कंट्रोल खो दिया, जिससे गाड़ी सड़क से उतर गई और सड़क किनारे एक पेड़ से जोरदार टक्कर हो गई। राहगीरों ने थूथुकुडी साउथ पुलिस और फायर एंड रेस्क्यू सर्विस के लोगों को खबर दी, जो मौके पर पहुंचे और बचाव का काम शुरू किया।

टक्कर से गाड़ी बुरी तरह डैमेज हो गई थी, और अधिकारियों को घायलों को कार से सावधानी से निकालना पड़ा। सतनाम और राहुल जेबेस्टियन को उनकी चोटों की गंभीरता के कारण मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल मुकिलन को तुरंत दो बचे लोगों के साथ टीकेजीएमसीएच में शिफ्ट किया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने कहा कि पहुंचने के कुछ ही मिनटों में उन्हें अचानक कार्डियक अरेस्ट हुआ और इमरजेंसी कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। किरुथिक्कुकमार और सरन, दोनों को कई चोटें आई हैं, उनका अभी इंटेंसिव केयर यूनिट में इलाज चल रहा है।

हॉस्पिटल के सूत्रों ने उनकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई है। थूथुकुडी साउथ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी जांच कर रहे हैं कि क्या ओवरस्पीडिंग, खराब विजिबिलिटी या रात भर हुई बारिश के बाद सड़क पर फिसलन की वजह से यह हादसा हुआ।

उदयपुर में रॉयल वेडिंग : अमेरिकी कारोबारी के बेटे की शादी में शामिल होंगे डोनाल्ड ट्रम्प

उदयपुर/दक्षिण भारत। उदयपुर अपने ऐतिहासिक शाही ठाठ-बाट और खूबसूरत पलेसों के साथ एक बार फिर दुनिया के अमीर और मशहूर व्यक्तियों का केंद्र बनने जा रहा है। 21 से 24 नवंबर तक शहर में अमेरिकी कारोबारी के बेटे और अमेरिकी मूल की दुल्हन एलिजाबेथ की शादी में शामिल होने के लिए डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर अपनी फैमिली के साथ उदयपुर आएंगे। शादी के मुख्य कार्यक्रम जग मंदिर पैलेस में आयोजित होंगे, जबकि अन्य समारोह सिटी पैलेस के माणक चौक में सजाए गए हैं। ट्रम्प जूनियर पिछोला झील के बीच बने होटल लीला पैलेस में ठहरेंगे। इस भव्य वेडिंग के लिए शहर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं और अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की टीम पहले ही उदयपुर पहुँच चुकी है। अमेरिकी कारोबारी के बेटे की शादी में शामिल होने के लिए दुनिया भर से कई बिजनेस हस्तियां भी उदयपुर आएंगी। ट्रम्प जूनियर का यह भारत दौरा उनका दूसरा है; पहली बार वे 2018 में नई दिल्ली, मुंबई, पुणे और कोलकाता गए थे। उस समय उनके दौरे पर अमेरिकी करदाताओं के करीब एक लाख डॉलर खर्च होने की चर्चा भी रही थी।

साथ ही, 22 नवंबर को सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर की पोती की शादी रणकपुर के होटल लालबाग में होगी। इस समारोह में गृहमंत्री अमित शाह सहित कई मुख्यमंत्री और मंत्री शामिल होंगे। उदयपुर अगले चार दिनों तक शाही ठाठ, वीवीआईपी मूवमेंट और ग्लोबल हस्तियों के संगम का साक्षी बनेगा। शहर का ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप इस रॉयल वेडिंग के दौरान एक बार फिर पूरी दुनिया के सामने चमकेगा।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में बवाल : नोटों की मालाओं के बीच लाठीचार्ज

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान विश्वविद्यालय में बुधवार को छात्रों का उबाल उस वक्त हिंसा में बदल गया, जब प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। पिछले कई दिनों से मार्किंग की गड़बड़ियों और रिवैल्युएशन फीस को लेकर हो रहा गुस्सा अचानक फूट पड़ा। इस दौरान कई छात्रों को हिरासत में लिया गया और कैंपस का माहौल देर तक तनावपूर्ण बना रहा। एक नंबर की टीस और हजारों युवाओं की नाराजगी छात्रों का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन जानबूझकर गलत मार्किंग कर रहा है। कई छात्रों को सिर्फ एक नंबर से फेल कर दिया गया है और उसके बाद रिवैल्युएशन के नाम पर हजारों रुपये वसूलने की कोशिश की जा रही है।यह सिर्फ मार्कशीट का मामला नहींयह उन छात्रों के सपनों, भविष्य और उनके करियर की सीधी चोट है।

गुस्से में आए छात्रों ने विरोध जताने का एक अनूठा तरीका चुनानोटों की माला पहनकर प्रदर्शन। उनका कहना थाअगर मार्किंग पैसे से ही सुधरती है तो ये लो हमारी माला। ले लो, लेकिन हमारा भविष्य मत बर्बाद करो। कई छात्रों का आरोप है कि उन्हें अगले सेमेस्टर में प्रमोट नहीं किया जा रहा, जिससे उनका करियर अधर में लटक गया है। मंगलवार रात छात्र कुलगुरु कार्यालय के सामने बैठे रहे। रात भर की ठंड, अनिश्चितता, और आक्रोश के बीच यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण था, लेकिन बुधवार सुबह जैसे ही भीड़ बढ़ी, माहौल बदल गया। छात्रों ने प्रशासनिक घेराव की कोशिश की और पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया।

जैसे ही छात्रों को तितर-बितर करने का आदेश मिला, पुलिस ने लाठियां भांजना शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह कार्रवाई बेहद तेज और अंधाधुंध थी। पुलिस ने यह देखने की कोशिश भी नहीं की कि भीड़ में कौन हैलड़के, लड़कियां या अभिभावक। कई छात्राओं ने आरोप लगाया कि पर्याप्त महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बिना ही पुरुष पुलिसकर्मी उनसे भिड़ गए। धक्का-मुक्की और खींचतान की शिकायतें सामने आईं।अभिभावकों का कहना है किबच्चे अपनी पढ़ाई और भविष्य की बात कर रहे थे, और पुलिस ने उन्हें अपराधी की तरह पीट दिया।

सबसे चौंकाने वाली बातविश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस, दोनों ने ही मार्किंग की कथित गड़बड़ियों या लाठीचार्ज के दौरान हुई बदसलूकी पर कोई विस्तृत बयान नहीं दिया है। कैंपस में अभी भी तनाव है, छात्रों का आक्रोश कम नहीं हुआ है, और सोशल मीडिया पर वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं।

राजस्थान के पीएसएस और एमआईएस के प्रस्तावों को दी स्वीकृति

जयपुर/दक्षिण भारत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा खरीफ 2025-26 के लिए राजस्थान से प्राप्त मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) और बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) के प्रस्तावों को मंजूरी देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनका आभार जताया है। इन प्रस्तावों के तहत प्रदेश में लगभग 9 हजार 436 करोड़ रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य से मूंग, उड़द, मूंगफली और सोयाबीन की रिकॉर्ड खरीद सुनिश्चित होगी।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश के किसानों के लिए यह स्वीकृति देश की सबसे बड़ी खरीद पहलों में से एक है। इससे किसानों को अपनी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित होगा, जो उन्हें बाजार जोखिमों से भी संरक्षण प्रदान करेगा। साथ ही, पॉस आधारित आधार प्रमाणीकरण और डीबीटी के माध्यम से पारदर्शी भुगतान व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसान हित को सर्वोपरि मानते हुए प्रदेश के अन्नदाताओं को समृद्ध बनाने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। हमारी डबल इंजन की सरकार की प्राथमिकता है कि किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाए। केन्द्र सरकार द्वारा किया गया यह निर्णय किसान-कल्याण के संकल्प को नई गति प्रदान करेगा।

उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार द्वारा मंगलवार को राजस्थान के किसानों के लिए 4 फसलों मूंग, उड़द, मूंगफली और सोयाबीन की रिकॉर्ड स्तर पर खरीद को मंजूरी दी गई है। इसके तहत मूंग 3 लाख 5 हजार 750 मीट्रिक टन, उड़द 1 लाख 68 हजार मीट्रिक टन (100 प्रतिशत), मूंगफली 5 लाख 54 हजार 750 मीट्रिक टन तथा सोयाबीन की 2 लाख 65 हजार 750 मीट्रिक टन स्वीकृत पात्र मात्रा है।

गहलोत ने भाजपा पर साधा निशाना, बोले- इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन्हें याद करते हुए भावुक श्रद्धांजलि दी और वर्तमान सत्ताधारी पार्टी (भाजपा) पर देश के इतिहास को 'तोड़-मरोड़ कर पेश करने' का आरोप लगाया। गहलोत ने इंदिरा गांधी को 'महान नेता' बताया, जिनका नाम देश और दुनिया के इतिहास में अमिट है। गहलोत ने कहा कि इंदिरा गांधी ने जिस प्रकार देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राण त्याग दिए और देश के लिए शहीद हो गईं, उन्हें देश कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने इंदिरा गांधी के सबसे बड़े ऐतिहासिक फैसले का जिक्र किया: वह एक महान नेता थीं जिसने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए, उपमहाद्वीप का भूगोल बदल दिया और बांग्लादेश का निर्माण कर दिया। गहलोत ने 1971 के युद्ध की ऐतिहासिक जीत को याद करते हुए कहा कि 90,000 से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों, कर्नलों और जनरलों को सरेंडर करवाकर हिंदुस्तान लाना दुनिया के इतिहास में कभी संभव नहीं हुआ। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करते हुए बताया कि उन्हें उस समय बांग्लादेश सीमा पर जाने का सौभाग्य मिला था, जहां एक करोड़ शरणार्थी भारत आ गए थे, और उनकी सेवा करने का अवसर मिला था।

पूर्व मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी को 'देश के गरीबों की मसीहा' के रूप में याद किया, जिन्होंने 'गरीबी हटाओ' का नारा देकर देश के गरीबों के बीच अपनी पहचान बनाई। वर्तमान राजनीति पर निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा कि आज नई पीढ़ी को यह समझना आवश्यक है कि सत्ता में बैठे हुए लोगों का लोकतंत्र में कोई यकीन नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ध्रुवीकरण करके, जाति और धर्म के नाम पर राजनीति कर रही है।

उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह चुनाव तो जीता जा सकता है, लेकिन देश को एक और अखंड रखने की भूमिका हमेशा 'क्रेश्चन मार्क' रहेगी। गहलोत ने भाजपा को संविधान की मूल भावना के साथ शासन करने की सलाह दी और कहा कि संविधान को आधार बनाकर शासन करने पर ध्रुवीकरण की बात नहीं हो सकती। गहलोत ने नई पीढ़ी को इंदिरा गांधी की विरासत से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, जिस प्रकार इतिहास को ये कमजोर करना चाहते हैं, तोड़ रहे हैं, मरोड़ रहे हैं बीजेपी वाले, यह खतरनाक खेल है। उन्होंने संकल्प लिया कि कांग्रेस कार्यकर्ता इंदिरा गांधी और कांग्रेस की नीतियों, सिद्धांतों और कार्यक्रमों को नई पीढ़ी तक पहुंचाएंगे, ताकि उन्हें आजादी के आंदोलन के 'सुनहरे इतिहास' और त्याग-बलिदान के बारे में मालूम पड़े।

रणथंभौर में टाइगर का 'सडन शो', थमी श्रद्धालुओं की राह, मंदिर मार्ग पर रोमांच और डर का संगम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सवाई माधोपुर। रणथंभौर टाइगर रिजर्व स्थित प्रसिद्ध त्रिनेत्र गणेश मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को बुधवार सुबह एक रोमांचक और डराने वाला अनुभव हुआ। मंदिर मार्ग पर अचानक टाइगर के आने से कुछ देर के लिए श्रद्धालुओं की राह थम गई। बुधवार सुबह गणेश धाम से आगे मुख्य सड़क पर एक टाइगर आ गया और करीब 10 मिनट तक सड़क पर स्वतंत्र रूप से घूमता रहा। इससे त्रिनेत्र गणेश मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं और वाहनों की लंबी कतारें दोनों तरफ लग गईं। लोग अपने चौपहिया वाहनों में बैठे-बैठे ही टाइगर को देखते रहे और कई श्रद्धालुओं ने उसकी तस्वीरें व वीडियो कैमरे में कैद किए।

इस दौरान वन विभाग का कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं दिखा, जिससे श्रद्धालुओं में चिंता भी बढ़ी।

हालांकि थोड़ी देर बाद टाइगर खुद ही सड़क छोड़कर जंगल की ओर लौट गया, जिसके बाद आवाजाही पुनः शुरू हो गई। बुधवार होने के कारण सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु त्रिनेत्र गणेश मंदिर पहुंच रहे थे। वहीं वन विभाग के नियमों के अनुसार बुधवार को जोन नंबर 1 से 5 तक साप्ताहिक अवकाश होता है, जिसके चलते पर्यटकों की आवाजाही नहीं थी। जानकारी के अनुसार, यह टाइगर बाघिन सुल्ताना का मेल शावक बताया जा रहा है, जो हाल ही में गणेश धाम से दुर्ग क्षेत्र की टेरिटरी में सक्रिय रूप से विचरण करता दिख रहा है। आज भी उसके अचानक सड़क पर आ जाने से कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा।

लखनऊ में होगी 23 नवंबर से 19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के प्रदेश उपाध्यक्ष व जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बुधवार सुबह जगतपुरा स्थित स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र पहुंचे। यहां उन्होंने 19 वीं राष्ट्रीय जम्बूरी (लखनऊ) के लिए स्काउट-गाइड के विशेष राज्य स्तरीय शिविर का उद्घाटन किया। रावत ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार स्काउट-गाइड को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। रावत ने कहा कि जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए स्काउट गाइड प्रशिक्षण एक बड़ा मंच प्रदान करता है। यह अनुशासनप्रिय, सेवाभावी और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मनाने वाला महत्वपूर्ण संगठन है। आपदा और विपरीत परिस्थितियों में भी स्काउट गाइड एकजुटता से प्रशासन को प्रभावी सहयोग प्रदान करते हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार की ओर से स्काउट गाइड संगठन के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। रावत ने स्काउट गाइड, प्रशिक्षकों और संगठन के पदाधिकारियों के प्रयासों के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि पाली के रोहट में 18 वीं राष्ट्रीय जम्बूरी और भारत स्काउट गाइड की 75वीं वर्षगांठ पर तमिलनाडु में हुई स्पेशल जम्बूरी में राजस्थान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए यह विश्वास व्यक्त किया है कि उत्तर प्रदेश में भी राजस्थान के होनहार स्काउट गाइड प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। रावत ने बताया कि राष्ट्रीय जम्बूरी में राजस्थान से लगभग 1700 स्काउट व गाइड सहभागी बनेंगे। जयपुर से दल स्पेशल ट्रेन के जरिए 21 नवम्बर को रवाना होगा। राष्ट्रीय जम्बूरी का उद्घाटन 23 नवम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर संगठन के स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने कहा कि राजस्थान राष्ट्रीय जम्बूरी में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अव्वल रहा है। इस बार भी स्काउट गाइड फिर से प्रथम स्थान प्राप्त करेंगे। उल्लेखनीय है कि यह राज्य स्तरीय शिविर राष्ट्रीय जम्बूरी की पूर्व तैयारियों के लिए आयोजित किया जा रहा है।

इससे पहले उद्घाटन समारोह में सरदार शहर की गाइड्स ने स्वागत नृत्य, वनस्थली विद्यापीठ की गाइड्स ने लोक नृत्य, पाली के स्काउट गाइड ने बैंड प्रदर्शन, बालचर आवासीय विद्यालय के स्काउट ने लोक नृत्य एवं कोटा मंडल के संभागियों ने भी उत्कृष्ट प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में संगठन के स्टेट कमिश्नर डॉ. अखिल शुक्ला, स्टेट सेक्रेटरी पी.सी. जैन सहित अन्य पदाधिकारी, प्रशिक्षक और स्काउट गाइड उपस्थित थे।

एसआईआर ड्यूटी में तैनात बीएलओ की दिल का दौरा पड़ने से मौत, परिवार ने काम के दबाव का आरोप लगाया

जयपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में लगे बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) की बुधवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि बीएलओ को तहसीलदार का फोन आया था जिसके कुछ मिनट बाद ही उन्हें दिल का दौरा पड़ गया। परिवार के अनुसार, सेवती खुर्द सरकारी स्कूल में कार्यरत और वर्तमान में बीएलओ के रूप में तैनात तृतीय श्रेणी शिक्षक हरिराम उर्फ हरिओम बैरवा (34), तहसीलदार का फोन आने के बाद अचानक बेहोश हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया कि अधिकारी एसआईआर ड्यूटी को लेकर उन पर अत्यधिक दबाव डाल रहे थे जिसके कारण बैरवा पिछले छह दिनों से काफी तनाव में थे। उन्होंने दावा किया कि लगातार काम के बोझ के कारण वे घर पर भी कम बात कर पा रहे थे और इस वजह से उन्हें दिल का दौरा पड़ा। हरिओम के भाई आशीष बैरवा ने आरोप लगाया कि वह दबाव में काम कर रहे थे तथा वह देर रात तक काम करते और सुबह जल्दी जग जाते थे।

पीड़ित के पिता बृजमोहन ने पत्रकारों को बताया, मुझे नहीं पता कि तहसीलदार ने फोन पर क्या कहा, लेकिन पांच मिनट बाद उसे दिल का दौरा पड़ गया। हालांकि तहसीलदार ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने केवल उच्च अधिकारियों से मिले निर्देशों की जानकारी दी थी।

आमजन का आवास का सपना पूरा करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : झाबर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा की अध्यक्षता में बुधवार को स्वायत्त शासन भवन में रूडसिको बोर्ड की 61वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में शहरी विकास, आवासीय योजनाओं और आधारभूत संरचना को मजबूती देने से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्री खर्रा ने मुख्यमंत्री जन आवास योजना में आ रही चुनौतियों का गंभीरता से अध्ययन कर प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश देते हुए कहा कि राज्य सरकार आमजन के आवास के सपने को शीघ्रातिशीघ्र पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता, गति और पारदर्शिता के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में निदेशक मंडल की पिछली बैठक तथा सीएसआर समिति बैठक के स्वीकृत प्रस्तावों की पुष्टि की गई। बोर्ड में निदेशकों की नियुक्ति एवं पदत्याग से संबंधित औपचारिकताओं के साथ कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय में आवश्यक ई-फॉर्म्स दाखिल करने की स्वीकृति दी गई। वित्त वर्ष 2024-25 की 21वीं वार्षिक सामान्य बैठक के समय-विस्तार प्रस्ताव को भी बोर्ड ने अनुमोदित किया। बैठक में फंडिंग प्रावधानों पर महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए एएमआरयूटी 2.0 के तहत राज्य एवं नगरीय निकायों के लिए आरयूडीएफ-द्वितीय में 2 हजार करोड़ तथा बजट घोषणाओं 2024-25 एवं 2025-26 के अंतर्गत कार्यान्वयन हेतु 1 हजार 106 करोड़ रूपये के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई।

आरयूआईडीपी से संबंधित प्रस्तावों के अंतर्गत बांसवाड़ा नगर के लिए संशोधित एएंडएफ स्वीकृति, नवलगढ़ नगर के लिए अनुबंध पुरस्कार, वित्त वर्ष 2025-26 हेतु आंतरिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति तथा अंतिम खातों की तैयारी के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म की सेवाएँ लेने का अनुमोदन दिया गया। बैठक में रूडसिको (यूआई एवं एच) तथा आरयूआईडीपी द्वारा क्रियान्वित सभी प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन, निदेशक एवं विशिष्ट सचिव जुईकर प्रतीक चन्द्रशेखर, रूडसिको कार्यकारी निदेशक हरिमोहन मीणा, मुख्य अभियंता अरुण व्यास, प्रदीप गर्ग सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा को लेकर रोडवेज यात्रियों को किया जागरूक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। परिवहन विभाग प्रदेश मुख्यालय के निर्देशानुसार परिवहन जोधपुर की ओर से आम जन को सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूक करने के लिए परिवहन विभाग के ध्येय वाक्य सुरक्षा परमो धर्म के उद्देश्य से बुधवार वार को तीसरे और अंतिम दिन रोडवेज स्टैंड पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। फ्रेंड्स थियेटर ग्रुप के कलाकारों ने लेखक डॉ के आर गोदारा एवं लक्ष्मीकांत पुरोहित छेनू के निर्देशन में मंचित नुक्कड़ नाटक से सावधानी हटी, दुर्घटना घटी के माध्यम से आमजन को यातायात नियमो की पालना करने, वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, ओवर लोडिंग नहीं करने, वाहनों का समय पर फिटनस, बसों, ट्रकों में आग बुझाने के संयंत्र रखने, बिना परमिट के बसों का संचालन नहीं करने और सड़क सुरक्षा के नियमों की पालना करने का संदेश देते हुए लोगों को जागरूक किया। नुक्कड़ नाटक में कलाकारों ने अभिनय से आमजन को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी देते हुए नियम तोड़ने पर होने वाले नुकसान के बारे में चेताया। नाटक में वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ के आर गोदारा, लक्ष्मीकांत पुरोहित, दिलीप वैष्णव, सुनीता महेश्वरी और कोमल ने अहम भूमिका निभाई। नुक्कड़ नाटक देखने के लिए रोडवेज स्टैंड पर बड़ी संख्या में आमजन और यात्रियों ने भाग लेते हुए नाटक को सराहा। नाटक के कई दृश्यों ने आमजन को खूब गुदगुदाया। तीन दिवसीय जागरूकता अभियान के तहत जोधपुर शहर विधानसभा की सरदारपुरा, सूरसागर और शहर विधानसभा क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक किए गए। इस मौके पर प्रादेशिक परिवहन अधिकारी आकांक्षा बैरवा, परिवहन निरीक्षक महेन्द्र , जिला परिवहन विभाग, यातायात पुलिस समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

त्रिपुरा विधानसभा की याचिका समिति ने किया राजस्थान विधानसभा का अध्ययन भ्रमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। त्रिपुरा विधानसभा की याचिका समिति के सदस्यों ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा का अध्ययन भ्रमण किया। समिति के सदस्यों ने विधानसभा भवन का अवलोकन किया तथा सदन की कार्यप्रणाली, प्रक्रियाओं तथा संचालन व्यवस्था की विस्तृत जानकारी प्राप्त की, परिसर में स्थापित डिजिटल म्यूजियम का अवलोकन किया। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा सदन संचालन में किए गए नवाचारों, डिजिटलीकरण, पारदर्शिता तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं में अपनाई गई आधुनिक पहलुओ की जानकारी समिति को विस्तारपूर्वक दी गई। समिति के सदस्यों ने कहा कि राजस्थान विधानसभा के नवाचार देश की अन्य विधानसभाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

अध्ययन भ्रमण के दौरान राजस्थान विधानसभा की याचिका समिति के सभापति कैलाश वर्मा ने त्रिपुरा याचिका समिति के सभापति अभिषेक देबरॉय का पारंपरिक साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

कैलाश वर्मा ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा किए गए नवाचारों से भी त्रिपुरा याचिका समिति के सभी सदस्यगणों को अवगत कराया।

इस अवसर पर त्रिपुरा समिति के सदस्य शंभू लाल चकमा, श्रीमती अंतरा सरकार देब, श्रीमती नंदिता देबबर्मा (रियांग), बिराजित सिंह एवं अशोक चन्द्र मित्र उपस्थित रहे। राजस्थान विधानसभा की याचिका समिति के सदस्य जेठानंद व्यास, बालमुकुंद आचार्य, राजेंद्र गुर्जर, हंसराज पटेल और भगवाना राम सैनी ने भी संयुक्त बैठक में सहभागिता की। विधानसभा याचिका समिति के सहायक सचिव बलवीर सिंह शेखावत और शांति कुमार सैनी भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

ईडी ने रियल एस्टेट धोखाधड़ी मामले में लालू परिवार के करीबी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुग्राम में घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन के एक मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद के परिवार के करीबी माने जाने वाले रियल एस्टेट कारोबारी अमित कात्याल को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कात्याल को एजेंसी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने सोमवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया। गुरुग्राम की एक विशेष अदालत ने उसे छह दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। यह जांच गुरुग्राम के सेक्टर-70 में 14 एकड़ में बने 'क्रिश फ्लोरेंस एस्टेट' में फ्लैट्स को न सौंपने के आरोपों से संबंधित है। इस परियोजना का विकास कात्याल की कंपनी 'एंजल इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा किया जा रहा था। कात्याल को ईडी ने 2023 में रेलवे के कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाले से संबंधित एक अलग धन शोधन मामले में भी गिरफ्तार किया था, जिसमें लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और परिवार के अन्य सदस्य शामिल हैं।

बिहार विस नतीजों पर बोलीं मायावती, सरकारें वोटरों को प्रभावित करने के लिए कर रहीं सरकारी धन का उपयोग

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों पर बुधवार को आश्चर्य व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि सरकारें अब मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए सरकारी धन का इस्तेमाल कर रही हैं। बसपा द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रदेश में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान सतर्क रहने का भी आग्रह किया। मायावती ने कहा, बिहार विधानसभा चुनाव के आश्चर्यजनक परिणामों से सबक लेने की ज़रूरत है। पहले, सत्तारूढ़ दल चुनावों को प्रभावित करने के लिए धनबल का इस्तेमाल करते थे, लेकिन अब सरकारें जनता के धन के ज़रिए जनमत को प्रभावित कर रही हैं। नतीजतन, चुनाव जीतने की चुनौती कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया पर गंभीर रूप से ध्यान देने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पात्र मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार से वंचित न रहे।

नाले में मिला छात्रा का अर्द्धनग्न शव, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

एटा (उप्र)/भाषा। एटा जिले के सकीट क्षेत्र में एक लापता छात्रा का अर्द्धनग्न शव बुधवार को नाले में मिला। उसके परिजन ने बलात्कार के बाद हत्या किए जाने की आशंका जतायी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीएससी की 18 वर्षीय छात्रा मंगलवार को खेत में गोबर डालने गई थी, मगर उसके बाद वह वापस नहीं लौटी। उन्होंने बताया कि परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन उसका पता नहीं लग सका और आज सुबह कुछ ग्रामीणों ने नाले में उसका शव देखा तो उसके परिजनों और पुलिस को सूचना दी।

अधिकारियों ने बताया कि मृतका के परिजनों ने शव की स्थिति को देखते हुए छात्रा की बलात्कार के बाद हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त की है। अपर पुलिस अधीक्षक श्रैतांभ पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और उसकी रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। उन्होंने बताया कि घटना की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द सच्चाई सामने लाई जाएगी।

अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने पूर्वोत्तर में खाद्य आत्मनिर्भरता के लिए क्षेत्रीय प्रयास का आह्वान किया

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने पूर्वोत्तर में खाद्य आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए बुधवार को समन्वित क्षेत्रीय प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने दूध, अंडे, मछली और मांस उत्पादन पर उच्च स्तरीय कार्य बल (एचएलटीएफ) की बैठक की अध्यक्षता की। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सभी पूर्वोत्तर राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ डिजिटल माध्यम से बैठक में शामिल हुए। विचार-विमर्श का सारांश देते हुए खांडू ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने उत्पादकता को मजबूत करने और इन प्रमुख क्षेत्रों में तेजी लाने की खातिर एचएलटीएफ के गठन के लिए सिंधिया की सराहना की। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय प्रयासों को समन्वित करने में सिंधिया की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, मैं केंद्रीय मंत्री के बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए उनका आभारी हूं।

राम मंदिर में ध्वजारोहण की तैयारियां जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में आगामी 25 नवंबर को आयोजित होने वाले ध्वजारोहण समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बुधवार को बताया कि 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण समारोह की जोदार तैयारियां की जा रही हैं और इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे। मिश्र ने बताया कि राम बारात और उससे जुड़े कार्यक्रमों में किसी भी तरह की असुविधा न हो इसके लिए व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

उनके मुताबिक, आगामी 26 नवंबर को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को बिना किसी परेशानी के दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रामलला का गर्भगृह 16 घंटे से ज्यादा समय तक खुला रहेगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी कर्मचारियों को तीर्थयात्रियों के साथ व्यवस्थित और विनम्र व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए हैं। मिश्र ने राम मंदिर पर ध्वजारोहण की तैयारियों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि मुख्य मंदिर के शिखर पर ध्वज लगाने के लिए तकनीकी और हस्तगत दोनों ही प्रणालियों को सुदृढ़ किया गया है। उनके मुताबिक, परिसर के सातों मंदिरों के ध्वज त्रिकोणीय होंगे और उन पर केवल 'ओम' का चिह्न होगा और वे मुख्य मंदिर के ध्वज से छोटे होंगे। उन्होंने बताया कि ध्वजारोहण के दो सफल परीक्षण पहले ही पूरे हो चुके हैं तथा सभी मंदिरों के शिखरों पर लगे ध्वज स्थायी रहेंगे और उन्हें वर्ष में केवल एक या दो बार ही बदलने के लिए उतारा जाएगा। मिश्र ने बताया कि जिन प्रमुख व्यक्तियों को जनवरी 2024 में मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान शामिल नहीं किया जा सका था, उन्हें ध्वजारोहण कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा।

असम में अवैध मतदाताओं को चुनावी प्रक्रिया से बाहर करने के लिए 'विशेष पुनरीक्षण': हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण राज्य में चुनाव प्रक्रिया से अवैध मतदाताओं को बाहर निकालने में मदद करेगा। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को असम में मतदाता सूची के 'विशेष पुनरीक्षण' का आदेश दिया था।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को गुवाहाटी में एक कार्यक्रम से इतर कहा, चूंकि विभिन्न पुराने मुद्दों के कारण असम में एनआरसी को अधिसूचित नहीं किया गया है, इसलिए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने इस संबंध में राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है तथा कहा कि एसआर से सभी पात्र नागरिकों के लिए स्वच्छ, अद्यतन और सटीक मतदाता सूची सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के लिए निर्वाचन प्राधिकरण द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, राज्य में एसआर करने के लिए एक जनवरी 2026, योग्य तारीख माना जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि एसआर मतदाता सूची के वार्षिक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण और विशेष गहन पुनरीक्षण के बीच की प्रक्रिया है। असम में विधानसभा चुनाव अगले वर्ष होने वाले हैं।

बिहार चुनाव नहीं लड़ना मेरी गलती समझी जा सकती है: प्रशांत किशोर

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बुधवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का उनका निर्णय गलती माना जा सकता है। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें यह उम्मीद नहीं थी कि उनकी पार्टी को चार प्रतिशत से कम वोट मिलेंगे। हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में जन सुराज पार्टी एक भी सीट जीतने में नाकाम रही।

एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में किशोर ने कहा, चुनाव नहीं लड़ने का मेरा फैसला गलती माना जा सकता है। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए हमें अभी बहुत काम करना है। मुझे कभी उम्मीद नहीं थी कि हमारी पार्टी को चार प्रतिशत से कम वोट मिलेंगे। पूर्व चुनावी रणनीतिकार ने यह भी कहा कि बिहार में जीत हासिल करने की उनकी कोशिश जारी रहेगी। उन्होंने कहा, बिहार जीते बिना मैं पीछे नहीं हटूंगा। इसमें कितना समय लगेगा, मैं नहीं जानता। किशोर ने मंगलवार को यह भी दावा किया था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को सिर्फ 25 सीटों पर सीमित रहना पड़ता, यदि उनकी सरकार ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हर विधानसभा क्षेत्र में 60,000 से अधिक लाभार्थियों को 10,000 रुपए नहीं दिए होते और पूरे राज्य की 1.5 करोड़ महिलाओं को स्व-रोजगार योजना के तहत दो लाख रुपए देने का वादा नहीं किया होता।

नीतीश ने राज्यपाल से मिल इस्तीफा दिया, सरकार बनाने का दावा पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने बुधवार को राज्यपाल को मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंपा। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायकों का समर्थन पत्र देकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

राजभवन सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने नीतीश कुमार का इस्तीफा स्वीकार करते हुए नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू की और उनसे कार्यकारी मुख्यमंत्री के रूप में पद पर बने रहने का अनुरोध किया। नीतीश भाजपा नेता सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान और रालोमो प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के साथ राज्यपाल से मिलने पहुंचे। गठबंधन नेताओं ने राज्यपाल से आग्रह किया कि राजग के पास बहुमत का समर्थन है, इसलिए उन्हें सरकार बनाने का अवसर दिया जाए। राज्यपाल ने समर्थन पत्र स्वीकार कर आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इससे पहले राजग विधायक दल की बैठक में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। विधानमंडल के सेंट्रल हाल में आयोजित बैठक में भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका अनुमोदन जदयू के वरिष्ठ नेता बिजेंद्र प्रसाद यादव और लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी समेत सभी सहयोगी दलों के विधायकों ने किया। इसके साथ ही नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता औपचारिक रूप से साफ हो गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह बृहस्पतिवार को आयोजित किया जाएगा, जिसमें 75 वर्षीय नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इससे पहले राजग के प्रमुख घटक दलों ने बुधवार को अपने-अपने विधायक दल के नेताओं को चुना। जदयू के विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुना गया।

झारखंड के पलामू में बदमाशों ने बंदूक की नोक पर बच्चे को बंधक बनाया, महिला से लूटपाट की

मेदिनीनगर/भाषा। झारखंड के पलामू जिले में तीन बदमाशों ने एक महिला से करीब 3.5 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर दिनदहाड़े लूट लिए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने महिला की तीन वर्षीय बेटी पर कथित तौर पर बंदूक तानकर उसे डराया और फिर जेवर छीनकर फरार हो गए। यह घटना मंगलवार को मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के छेचानी टोला में हुई।

मेदिनीनगर टाउन पुलिस थाने के प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने कहा, पीड़ित पूनम तिवारी के साथ उसके किराए के घर में लूटपाट की गई, जहां वह अपनी तीन साल की बेटी के साथ रहती है। तीन बदमाश मोटरसाइकिल पर आए, अचानक घर में घुस गए, बंदूक की नोक पर बच्ची को पकड़ लिया और महिला को अपने गहने उन्हें (आरोपियों) देने के लिए मजबूर किया। उन्होंने बताया कि बदमाशों को पता था कि महिला घर में अकेली रहती है और उसका पति रांची में अग्निशमन विभाग में कार्यरत है। रजवार ने कहा, लुटेरों को पकड़ने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है।

कुमारस्वामी ने आरएसपी के भूमि मुद्दे को सुलझाने के लिए माझी से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने बुधवार को ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से मुलाकात की। इसके बाद ओडिशा सरकार ने राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के प्रस्तावित विस्तार से संबंधित भूमि अधिग्रहण के मुद्दों को हल करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया।

राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आए कुमारस्वामी ने राउरकेला का दौरा किया और आरएसपी के विस्तार कार्यक्रम को शुरू करने में देरी का कारण बनने वाले मुद्दों पर माझी के साथ चर्चा की।

सेल के अधीन आने वाले इस सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम ने 30,000 करोड़ रुपए से अधिक के अनुमानित निवेश से अपनी क्षमता को दोगुना करने की योजना बनाई है, लेकिन उसे भूमि अधिग्रहण के मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आरएसपी ओडिशा में अपने संयंत्र में 9,000 करोड़ रुपए का आधुनिकीकरण कार्य भी कर रहा है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि राउरकेला स्थित संयंत्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार रहे।

इंदिरा ने अपनी नीतियों से देश का कायाकल्प किया: सोनिया गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती पर कहा कि इंदिरा ने गरीबी, अभाव और असमानता को दूर करने के लिए समर्पित अपनी नीतियों से देश का कायाकल्प किया तथा उनकी उपलब्धियों को दुनिया भर में याद किया जाता है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट को बुधवार को वर्ष 2024 का 'इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार' प्रदान किए जाने पर मौके पर यह टिप्पणी की। कांग्रेस से संबद्ध संस्था 'इंदिरा गांधी स्मारक न्यास' द्वारा यह पुरस्कार दिया जाता है। सोनिया गांधी ने 'इंदिरा गांधी स्मारक न्यास' की प्रमुख के तौर पर यह पुरस्कार प्रदान किया। सोनिया गांधी ने कहा, ''यह पुरस्कार सामाजिक विकास, शांति, स्थिरता और कई अन्य उद्देश्यों के लिए काम करने वाली महिलाओं, पुरुषों और संस्थाओं को सम्मानित करके इंदिरा गांधी के अभूतपूर्व योगदान का स्मरण कराता है। यह हमें याद दिलाता है कि संघर्ष के समय में भी, ऐसे लोग होते हैं जो प्रगति, न्याय और मानव जाति के कल्याण के लिए लड़ते हैं।'' उनका कहना था कि भारत की पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री के रूप में इंदिरा गांधी ने गरीबी, अभाव और असमानता को दूर करने के लिए समर्पित अपनी नीतियों से देश का कायाकल्प किया।

ओडिशा के 34.12 लाख से अधिक किसानों को पीएम-किसान योजना का लाभ मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के 34.12 लाख से अधिक किसानों को बुधवार को पीएम-किसान योजना के तहत 21वीं किस्त मिल गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक कार्यक्रम में किसानों को 2,000 रुपए की सहायता राशि जारी की। उन्होंने बताया कि देश भर के नौ करोड़ किसानों को कुल 18,000 करोड़ रुपए का लाभ मिला। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और उपमुख्यमंत्री केवी सिंह देव भुवनेश्वर से डिजिटल माध्यम से इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

माझी ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों को बीज, उर्वरक और कीटनाशक आदि खरीदने के लिए तीन किस्तों में 6,000 रुपए की वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री-किसान योजना के तहत किसानों को दो किस्तों में 4,000 रुपए की अतिरिक्त राशि प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष के दौरान, मुख्यमंत्री-किसान योजना के तहत 51.54 लाख किसानों को 2,991 करोड़ रुपए दिए गए हैं। माझी ने कहा कि मुख्यमंत्री-किसान योजना से लाभान्वित होने वाले किसानों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है।

गिल पूरी तरह फिट नहीं, लेकिन खेलने को बेताब हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम के बाकी सदस्यों के साथ बुधवार को गुवाहाटी पहुंच गए, लेकिन उनकी गर्दन की चोट शनिवार को यहां शुरू होने वाले मैच से पहले पूरी तरह ठीक होने की संभावना नहीं है।

पूरी संभावना है कि गिल गुरुवार और शुक्रवार को होने वाले अभ्यास सत्रों के दौरान खुद को फिट साबित करने की पूरी कोशिश करेंगे। भारतीय टीम के सूत्रों की मानें तो 26 वर्षीय गिल अभी शत प्रतिशत फिट नहीं हैं। उनकी गर्दन में दर्द अभी भी बना हुआ है, हालांकि यह पहले की तुलना में काफी कम है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दिन में कहा था कि गिल टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, ''शुभमन पर उपचार का अच्छा असर हो रहा है और वह 19 नवंबर 2025 को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी करती रहेगी और दूसरे टेस्ट में उनकी भागीदारी पर फैसला उनकी प्रगति को देखकर लिया जाएगा।'' इस तरह से बीसीसीआई के सचिव ने भी गिल के दूसरे टेस्ट में खेलने को लेकर संशय बरकरार रखा।

कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन 26 वर्षीय गिल की गर्दन में अकड़न आ गई थी। वह पहली पारी में चार रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे और इसके बाद मैच में आगे नहीं

खेल पाए थे। गिल को इस चोट के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। गिल की अनुपस्थिति में भारतीय टीम यह मैच 30 रन से हार गई थी। गिल को चिकित्सकीय रूप में फिट घोषित किया जा सकता है लेकिन पांच दिन की क्रिकेट की चुनौती अलग तरह की होती है जिसके कारण समस्या बढ़ सकती है और उन्हें लंबे समय तक बाहर रहना पड़ सकता है। पहले टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों की स्पिनरों को खेलने की कमजोरी का खुलासा हो गया। कोलकाता टेस्ट के बाद ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर एक बड़ा खतरा बन गए हैं, ऐसे में स्पिन का सामना करने में सक्षम दाएं हाथ के बल्लेबाज की टीम को सख्त जरूरत है।

मौजूदा कोचिंग स्टाफ और चयन समिति को सरफराज खान, करुण नायर या अभिमन्यु ईश्वरन जैसे खिलाड़ियों पर ज्यादा भरोसा नहीं है, जबकि ये तीनों स्पिन को अच्छी तरह से खेलते हैं। उनका सीधा तर्क यह है कि भले ही साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल दोनों बाएं हाथ के खिलाड़ी हैं, लेकिन किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल करने पर युवा खिलाड़ियों की दबाव झेलने की क्षमता पर विश्वास की कमी का संकेत मिलेगा। सुदर्शन का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है और कुछ लोगों का मानना है कि ध्रुव जुरेल अपनी बेहतर तकनीक के साथ तीसरे नंबर पर बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

भारतीय टीम की वर्तमान स्थिति को देखते हुए ही गिल बल्लेबाजी के लिए पर्याप्त रूप से फिट होना चाहते हैं, क्योंकि आधा फिट कप्तान भी सुदर्शन, ईश्वरन या सरफराज से अधिक प्रभावी माना जाता है। इसके अलावा गिल का टेस्ट कप्तान के रूप में यह शुरुआती दौर है और वह किसी मैच से बाहर नहीं बैठना चाहेंगे। गिल के चोटिल होने के कारण ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को राजकोट में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चल रही भारत ए की शृंखला से वापस बुला दिया गया है। वह सोमवार की शाम को कोलकाता में टीम से जुड़ गए थे लेकिन उन्होंने मंगलवार को वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया था।

ओडिशा पुलिस ने पांच जिलों में संदिग्ध बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने घुसपैठ पर कड़ी कार्रवाई करते हुए पांच जिलों में समन्वित छापेमारी की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों का एक मकान ध्वस्त करने के बाद मंगलवार को यह अभियान शुरू किया। वे इस मकान में कथित तौर पर पनाह लिए हुए थे।

यह कार्रवाई ऐसे समय में की गई है, जब विश्व हिंदू परिषद (विहिप) द्वारा क्योंझर में आहूत 12 घंटे के बंद के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। संगठन संदिग्ध घुसपैठियों को तत्काल राज्य से बाहर निकालने की मांग कर रहा है।

कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि केंद्र सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए ओडिशा सरकार ने प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व्यक्तियों की पहचान शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा, हम कानूनी कार्रवाई करेंगे और अवैध रूप से रह रहे सभी लोगों को बाहर निकालेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मंगलवार को केन्द्रपाड़ा, भद्रक, क्योंझर और पुरी जिलों में छापेमारी की। उन्होंने बताया कि भद्रक में 17 लोगों को हिरासत में लिया गया जबकि जगतसिंहपुर जिला पुलिस ने सोमवार को ध्वस्त किए गए मकान से एक पिस्तौल समेत हथियार बरामद करने के बाद चार लोगों को गिरफ्तार किया और कई अन्य से पूछताछ की।

सुविचार

कर्म का मतलब कार्य और स्मृति दोनों होता है। बिना कार्य के कोई स्मृति नहीं होती और बिना स्मृति के कोई कार्य नहीं होता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एसआईआर ने खोल दी घुसपैठियों की पोल

भारत-बांग्लादेश सीमा पार कर 'स्वदेश' रवाना हो रहे अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या स्पष्ट संकेत दे रही है कि एसआईआर की वजह से उनमें डर का माहौल है। अगर कोई व्यक्ति भारतीय नागरिक है, उसके परिजन भारतीय हैं, दस्तावेज सही हैं, तो वह एसआईआर से क्यों डरेगा? उसके लिए एसआईआर से बचकर भागने की कोई वजह ही नहीं है। अवैध बांग्लादेशी नागरिक वर्षों से भारत में डेरा डाले बैठे हैं। इन्होंने यहां जमकर मौज काटी है। ये पश्चिम बंगाल में निर्बाध विचरण करते हैं। वहां जब से एसआईआर की घोषणा हुई है, अवैध बांग्लादेशियों की नींदें उड़ी हुई हैं। सोशल मीडिया पर इनके झुंड के झुंड बांग्लादेश की ओर जाते देखे जा सकते हैं। इन्होंने भारत में सरकारी तंत्र की सुस्ती, वोटबैंक की राजनीति और भ्रष्टाचार के कारण सुविधाओं का खूब फायदा उठाया था। अब ये एसआईआर से संबंधित खबरें पढ़कर अपने मुल्क की राह पकड़ रहे हैं। सवाल है- सरकारों ने पहले सख्ती क्यों नहीं दिखाई? अब चुनाव आयोग एसआईआर करवा रहा है तो कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं को इस पर आपत्ति क्यों है? पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणकां के नेता इसमें बाधा डालने के लिए अजीब दलीलें दे रहे हैं। वे राज्य में हो रहीं आत्महत्या की घटनाओं को भी एसआईआर से जोड़कर प्रचारित कर रहे हैं। हर व्यक्ति का जीवन अनमोल है। ऐसा गलत कदम नहीं उठाना चाहिए। मानसिक रूप से परेशान लोगों को मनोवैज्ञानिक परामर्श उपलब्ध कराना चाहिए। इन घटनाओं से राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश गलत है। एसआईआर पहली बार नहीं हो रहा है। मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए यह जरूरी है। अगर सूची में खामियों को सुधारा न जाए और अपात्र लोग मतदाता बन जाएं तो क्या इससे लोकतंत्र मजबूत होगा?

चुनाव आयोग ही नहीं, राजनीतिक दलों को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में सिर्फ भारतीय नागरिक वोट दे पाएं। जिन्होंने भारत का विभाजन करवाकर पाकिस्तान और बांग्लादेश (तब पूर्वी पाकिस्तान) बना लिए, अब वे यहां आकर चुनाव प्रक्रिया में भागीदार क्यों बनना चाहते हैं? दुर्भाग्य है कि भारत में कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को देश के लिए खतरा मानने के बजाय उनमें अपना वोटबैंक तलाश रहे हैं। वे भारतीय नागरिकों के अधिकारों के लिए इतनी दृढ़ता से खड़े नहीं होते, लेकिन घुसपैठियों के अधिकारों के लिए उच्चतम न्यायालय तक चले जाते हैं। वे जानते हैं कि एसआईआर को रोक नहीं सकते, लेकिन दिन-रात भ्रामक बयान देकर अपने वोटबैंक को मजबूती से पकड़े रहना चाहते हैं। आश्चर्य है कि वे एसआईआर को लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हैं! क्या अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को रखने से लोकतंत्र सुरक्षित हो जाएगा? जैसे-जैसे एसआईआर की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, घुसपैठियों में डर बढ़ता जाएगा। इस समय एजेंसियों को ज्यादा सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि ये 'सुरक्षित' ठिकाना तलाशने के लिए अन्य राज्यों का रुख कर सकते हैं या बाद में बांग्लादेश से लौट सकते हैं। चंद सिक्कों के बदले इनकी मदद करने वालों की कमी नहीं है। इन्होंने अब तक भारत में रहकर अपना नेटवर्क बना लिया होगा। जब एसआईआर हो जाएगा तो घुसपैठियों को दोबारा बसाने का काम तेजी से हो सकता है। केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सख्ती से यह सुनिश्चित करे कि उसकी इजाजत के बगैर कोई विदेशी नागरिक भारत में न तो प्रवेश कर सके और न यहां रह सके। घुसपैठियों की पहचान, धर-पकड़ करने और कड़ा सबक सिखाकर निकालने के लिए कई असरदार तरीके हैं। केंद्र सरकार उन पर विचार करे।

ट्वीटर टॉक

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रथम सत्र को संबोधित किया। बदलते वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की संरचना को समकालीन चुनौतियों के अनुरूप पुनर्संयोजित करने की आवश्यकता आज भी प्रासंगिक है।

-ओम बिरला

स्व. इंदिरा जी ने अपने अदम्य साहस, दूरदर्शिता और निर्णय शक्ति के बल पर न केवल भारत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया, बल्कि अपने नेतृत्व से अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए, जिन्होंने भारत को वैश्विक मंच पर एक सशक्त पहचान दिलाई।

-सचिन पायलट

आज दिल्ली कैम्प ऑफिस में पूज्य श्री विद्युशेखर भारती स्वामीजी के पावन चरण पड़े। परिवार के साथ श्रद्धा और हर्षपूर्वक उनका मंगल अभिनंदन और स्वागत-सत्कार कर मन को परम संतोष मिला। संतों का सानिध्य जीवन उद्देश्य के मार्ग को प्रकाशित करता है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

अंतःकरण की शुद्धि

आचार्य विनोबा भावे गुजरात के एक गांव में भूदान यात्रा पर थे। गांव के एक धनी जमींदार ने आकर उनसे कहा, 'बाबा, मैं भी भूमि दान देना चाहता हूं। आप कहिए कितनी भूमि चाहिए?' विनोबा मुस्कुराए और बोले, 'दान तो हृदय से होता है, उसमें मात्रा नहीं, भावना की परीक्षा होती है।' लेकिन जमींदार ने आग्रह किया, 'आप मेरे लिए कोई कठिन परीक्षा रखिए, जिससे यह सिद्ध हो कि मैं सच्चे मन से दान देना चाहता हूं।' विनोबा कुछ क्षण शांत रहे और फिर बोले, 'ठीक है, तुम्हारे खेत के पास जो वृद्ध खेत-मजदूर रहता है, उसे अपने घर एक दिन भोजन के लिए बुलाओ और उसे आदर से अपने साथ बैठाकर खाना खिलाओ।' जमींदार चौंका। वह मजदूर अछूत जाति से था और समाज में उसे नीची निगाह से देखा जाता था। कुछ देर वह सोचता रहा, फिर बोला, 'बाबा, भूमि देना सरल है, लेकिन उसे अपने घर बुलाकर खाना खिलाना... वह तो मेरी प्रतिष्ठा को चोट पहुंचा देगा।' विनोबा शांत स्वर में बोले, 'दान से पहले तुम्हारा मन निर्मल होना चाहिए। भूमि का दान तभी सार्थक है जब तुम्हारा हृदय भी समानता और करुणा से भरा हो। यह सच्ची परीक्षा है।' जमींदार की

सामयिक

शेख हसीना प्रत्यर्पण

क्या होगी भारत की रणनीति?

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भारत सरकार के आधिकारिक बयान, जिसमें कहा गया कि निर्णय बांग्लादेश के लोगों और क्षेत्रीय स्थिरता के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखकर लिया जाएगा, इसी संतुलन और संवेदनशीलता की झलक है। भारत न तो इस मामले को केवल दो देशों के बीच कानूनी प्रक्रिया के रूप में देख सकता है और न ही इसे पूरी तरह राजनीतिक मानकर मनमर्जी से निर्णय ले सकता है। यह फैसला क्षेत्र की स्थिरता, लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवाधिकारों के व्यापक संदर्भ में लेना होगा।

भारत द्वारा बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को प्रत्यर्पित न करने का मुद्दा दक्षिण एशिया की राजनीति में ऐसे समय उभरकर सामने आया है जब क्षेत्र पहले से ही अस्थिरता, शक्ति-संतुलन और वैश्विक दबावों के बीच एक निर्णायक चरण से गुजर रहा है। यह मामला सिर्फ एक कानूनी प्रक्रिया या द्विपक्षीय औपचारिकता भर नहीं है; इसके भीतर कानून, नैतिकता, रणनीतिक हित और क्षेत्रीय भू-राजनीति के कई स्तर एक-दूसरे में उलझे हुए हैं। शेख हसीना पर बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में मृत्युदंड सुनाया गया है, लेकिन यह फैसला जिस तरह उनकी अनुपस्थिति में, पक्षपात और राजनीतिक प्रतिशोध के आरोपों के बीच आया, उसने इसे एक सामान्य न्यायिक फैसले से कहीं अधिक राजनीतिक बना दिया है। भारत के लिए यह मुद्दा संवेदनशील इसलिए भी है, क्योंकि शेख हसीना न केवल पड़ोसी देश की एक पूर्व प्रधानमंत्री हैं, बल्कि पिछले डेढ़ दशक में भारत-बांग्लादेश संबंधों की सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला भी रही हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच 2013 की प्रत्यर्पण संधि तथा 2016 के संशोधन ने दोनों देशों को अपराधियों के आदान-प्रदान का कानूनी ढांचा दिया, पर साथ ही इसमें ऐसे प्रावधान भी जोड़े गए जो राजनीतिक या पूर्वाग्रहपूर्ण मामलों में प्रत्यर्पण से इनकार की स्पष्ट अनुमति देते हैं। संधि के आर्टिकल 6 और आर्टिकल 8 भारत को वह आधार प्रदान करते हैं जिसके अनुसार यदि किसी मामले का चरित्र राजनीतिक हो, या यदि आरोपी को अपने देश में निष्पक्ष न्याय मिलने की संभावना संदिग्ध हो, तो उसे प्रत्यर्पित करना आवश्यक नहीं है। शेख हसीना के मामले में यही प्रश्न सबसे महत्वपूर्ण है- क्या उनका ट्रायल न्यायिक प्रक्रिया का पालन करता है या फिर यह एक राजनीतिक प्रतिशोध का विस्तार है? अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों, विद्वानों और क्षेत्रीय विश्लेषकों की बड़ी संख्या का मत है कि यह मामला न्यायिक संतुलन की जगह राजनीतिक बदले की भावना से अधिक संचालित प्रतीत होता है। ऐसे में भारत के लिए यह कहना कठिन नहीं कि यह मुकदमा निष्पक्षता के मानकों पर खरा नहीं उतरता।

भारत की रणनीतिक और कूटनीतिक चिंता इससे भी गहरी है। शेख हसीना के शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंधों ने अभूतपूर्व मजबूती हासिल की। पूर्वोत्तर राज्यों में उग्रवाद पर नियंत्रण, सीमा प्रबंधन, नदी जल बंटवारा, व्यापार सुगमता, कनेक्टिविटी परियोजनाएँ और चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित रखने का काम- ये सब शेख हसीना के नेतृत्व में संभव हुआ। उन्होंने न केवल भारत की सुरक्षा चिंताओं का सम्मान किया बल्कि कई ऐसे कदम उठाए जिन्हें बांग्लादेश की घरेलू राजनीति में काफी जोखिमपूर्ण माना जाता था। उनके इस सहयोग से भारत को न केवल सीमा पर स्थिरता मिली बल्कि दक्षिण एशिया में अपने प्रभाव को भी बनाए रखने में मदद मिली। ऐसी स्थिति में यदि भारत उन्हें प्रत्यर्पित कर देता, तो यह उसके अपने दीर्घकालिक हितों को चोट पहुंचाने जैसा होता। इसके साथ ही यह संदेश भी जाता कि भारत अपने मित्र राष्ट्रों के नेतृत्व को राजनीतिक अस्थिरता के क्षणों में संरक्षण देने में हिचकिचाता है, जो भविष्य की कूटनीतिक संभावनाओं के लिए प्रतिकूल संकेत होता।

हालांकि भारत का यह निर्णय जोखिमों से मुक्त नहीं है। बांग्लादेश में वर्तमान सत्ता प्रतिष्ठान और भारत-विरोधी समूह इस कदम को आंतरिक राजनीति में भारतीय हस्तक्षेप का प्रमाण बताने की कोशिश कर सकते हैं। सीमा पर अवैध गतिविधियों में वृद्धि का खतरा भी बना रहेगा, क्योंकि राजनीतिक तनाव अक्सर उन तंत्रों को कमजोर कर देता है जिनके बल पर सीमा नियंत्रण होता है। व्यापार, ऊर्जा साझेदारी और कनेक्टिविटी परियोजनाओं की गति धीमी पड़ने की संभावना भी है। चीन और पाकिस्तान के लिए यह एक नया अवसर उत्पन्न करेगा कि वे बांग्लादेश में अपना प्रभाव बढ़ाएं और भारत की क्षेत्रीय रणनीति को चुनौती दें। यह एक ऐसा परिदृश्य होगा जिसे भारत को सावधानी से संतुलित करना होगा।

फिर भी यह तथ्य अपनी जगह कायम है कि भारत की आर्थिक, कूटनीतिक और सामरिक स्थिति अब इतनी कमजोर नहीं कि ऐसे दबाव उसके दिशा-निर्देश तय करें। दक्षिण एशिया में राजनीतिक गठबंधन अक्सर आदर्शवाद से ज्यादा वास्तविकता और पारस्परिक हितों के आधार पर टिके होते हैं। भारत जानता है कि बांग्लादेश के साथ संबंधों में अस्थायी उतार-चढ़ाव आएंगे, लेकिन दोनों देशों के बीच भौगोलिक, आर्थिक और सांस्कृतिक समीकरण इतने गहरे हैं कि स्थायी दूरी किसी के हित में नहीं है। भारत यह भी भली-भाँति समझता है कि बांग्लादेश के भीतर लोकतांत्रिक स्थिरता और कट्टरपंथ पर नियंत्रण तभी संभव है जब वह संतुलित, सहायक और संवेदनशील पड़ोसी की भूमिका निभाए।

भारत सरकार के आधिकारिक बयान, जिसमें कहा गया कि निर्णय बांग्लादेश के लोगों और क्षेत्रीय स्थिरता के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखकर लिया जाएगा, इसी संतुलन और संवेदनशीलता की झलक है। भारत न तो इस मामले को केवल दो देशों के बीच कानूनी प्रक्रिया के रूप में देख सकता है और न ही इसे पूरी तरह राजनीतिक मानकर मनमर्जी से निर्णय ले सकता है। यह फैसला क्षेत्र की स्थिरता, लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवाधिकारों के व्यापक संदर्भ में लेना होगा। समग्र रूप से देखें तो भारत द्वारा शेख हसीना को प्रत्यर्पित न करने के पीछे कानूनी आधार जितना स्पष्ट है, उससे कहीं अधिक गहरे राजनीतिक और सामरिक कारक भी काम कर रहे हैं। यह सिर्फ एक व्यक्ति की सुरक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया में संतुलन, सहयोग और स्थिरता बनाए रखने की कोशिश का हिस्सा है। इसलिए निकट भविष्य में उनके प्रत्यर्पण की संभावना न के बराबर दिखती है, और भारत फिलहाल उनके लिए सुरक्षित आश्रय का स्थान बना रहेगा-यही निर्णय आज की परिस्थितियों में भारत के हितों और क्षेत्रीय शांति दोनों के अनुकूल प्रतीत होता है।

मुद्दा

बच्चों के अधिकार : दुनिया की सबसे बड़ी जिम्मेदारी

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

बाल दिवस केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है। भारत में बाल दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है लेकिन बच्चों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस हमें बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष यह दिवस मेरा दिन, मेरे अधिकार' विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देता है कि सभी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण सहित उनके मौलिक अधिकारों तक पहुंच हो। वैश्विक स्तर पर इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना, उनकी समस्याओं को हल करना, उनके कल्याण के लिए काम करना तथा अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है। बाल दिवस दुनियाभर में 190 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है और अनेक देशों में इसे मनाने की तारीखें अलग-अलग हैं। जनवरी माह से लेकर दिसम्बर तक हर माह किसी न किसी देश में बाल दिवस का आयोजन होता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवम्बर 1954 को विश्व बाल दिवस' मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चे एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके। सर्वप्रथम बाल दिवस जेनेवा के इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहयोग से विश्वभर में अक्तूबर 1953 में मनाया गया था। विश्वभर में बाल दिवस मनाए जाने का विचार वी के कृष्ण मेनन का था, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1954 में अपनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर के तमाम देशों से अपील की गई थी कि वे अपनी परम्पराओं, संस्कृति तथा धर्म के अनुसार अपने लिए कोई एक ऐसा दिन सुनिश्चित करें, जो सिर्फ बच्चों को ही समर्पित हो। वैसे तो बाल दिवस मनाए

जाने की शुरूआत वर्ष 1925 से ही हो गई थी लेकिन वैश्विक रूप में देखें तो इसे दुनियाभर में मान्यता मिली 1953 में।

दुनियाभर में बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल मजदूरी इत्यादि बच्चों के अधिकारों के प्रति जगरूक करने का प्रयास किया जाता है। माना जाता है कि सबसे पहले बाल दिवस तुर्की में मनाया गया था। बहरहाल, विश्व बाल दिवस पर हमें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि बच्चों का भविष्य उनके आज पर निर्भर करता है, जिसके लिए हमें ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बाल श्रम और शोषण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, बच्चों को उनकी प्रतिभा को निखारने के पर्याप्त अवसर मिलें, उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ और पोषित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। भारत में बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए कई कानून और योजनाएं लागू हैं, जिनमें बाल श्रम निषेध और विनियमन अधिनियम 1986, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, पॉक्सो एक्ट 2012 प्रमुख रूप से शामिल हैं। मिड-डे मील योजना और आंगनवाड़ी सेवा जैसी योजनाएं भी बच्चों के पोषण और शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अपनी-अपनी सहूलियत के आधार पर विभिन्न देशों द्वारा भले ही अलग-अलग तारीखों पर बाल दिवस मनाया जाता है लेकिन हर जगह बाल दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि इसके जरिये लोगों को बच्चों के अधिकारों तथा सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा सके और बच्चों से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जा सके।

नजरिया

राजनीति के फलते फूलते और दरकते सियासी परिवार

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

कभी देश के प्रधानमंत्री के पद के नज़दीक पहुंचे लालू प्रसाद यादव का सियासी परिवार अब बिखरने के कगार पर है। बिहार चुनाव में करारी हार के बाद लालू परिवार की एकता छिन्न भिन्न हो गई है। बिहार में परिवारवाद कोई नया मुद्दा नहीं है मगर सबसे शक्तिशाली परिवार में अंदरूनी झगड़ा खुलकर सामने आ गया है। लालू परिवार में जयचंदों को लेकर भी सियासत गर्म हो रही है। चुनाव से पहले बड़े बेटे तेज प्रताप को परिवार से निकाल बाहर कर दिया गया था। चुनाव के बाद हार की जिम्मेदारी तय करने के मामले में लालू को किडनी देने वाली बेटी रोहिणी आचार्य ने रोते हुए घर छोड़ दिया और परिवार से नाता तोड़ने और राजनीति छोड़ने का ऐलान किया। उन्होंने आरोप लगाया था कि चुनाव हारने के बाद उनके भाई तेजस्वी यादव और उनके दो करीबी सहयोगी संजय यादव और रमीज ने उन्हें अपमानित किया है। रोहिणी ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें चप्पल उठा कर मारने की भी कोशिश की। कल एक बेटी, एक बहन, एक शादीशुदा महिला, एक मां को जलील किया गया, गंदी गालियां दी गयीं, मारने के लिए चप्पल उठाया गया, मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया, सच का समर्पण नहीं किया, सिर्फ और सिर्फ इस वजह से मुझे बेइज़्ज़ती झेलनी पड़ी। कल एक बेटी मजबूरी में अपने रोते हुए मां-बाप बहनों को छोड़ आयी, मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया. मुझे अनाथ बना दिया गया। आप सब मेरे रास्ते कभी ना चलें, किसी घर में रोहिणी जैसी बेटी-बहन पैदा ना हो।

देश में उत्तर से लेकर दक्षिण तक राजनीतिक परिवारों में सियासी फूट और कलह का लंबा इतिहास रहा है। देश में अनेक सियासी परिवार जहां फले फुले है वहां अनेक परिवार टूट फूट का शिकार होकर दरकते भी गए है। इस समय देश में डेढ़ दर्जन परिवार राजनीति में सक्रीय है। इनमें अनेक बड़े परिवार समय के साथ फलते फूलते और बिखरते रहे। देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित नेहरू गांधी परिवार में भी स्व. संजय गांधी की पत्नी मेनका और बेटे वरुण गांधी ने परिवार से अलग राह पकड़कर भाजपा का दामन थाम रखा है। दूसरा बड़ा परिवार पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल का है जिसकी चौथी पीढ़ी इस समय सियासी समर में संघर्षरत है। हरियाणा में देवीलाल की विरासत की जंग में परिवार बिखर गया। देवीलाल के बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री स्व.ओपी चौटाला के दोनों बेटों ने सियासत की अलग अलग पगडंडियां पकड़ रखी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान के निधन के बाद उनका परिवार भी बिखर गया है। बेटे और भाई ने अलग अलग राह पकड़ रखी है। इसी भांति यूपी में सोने लाल पटेल के परिवार के सदस्यों की राह भी जुदा जुदा है। इनमें एक सदस्य मोदी मंत्री मंडल में शामिल है तो दूसरा मोदी विरोधी धड़े के साथ है। कल तक मुलायम सिंह यादव का परिवार भी अलग थलग था।

भाई शिवपाल और बेटे अखिलेश की राह अलग अलग थी मगर शिवपाल फिर अपने भतीजे के साथ हो गए है मगर परिवार के एक बहू अपर्णा आज भी भाजपा खेमे से जुडी है। आंध्र में पूर्व मुख्यमंत्री रामाराव का परिवार भी बिखरा हुआ है। महाराष्ट्र में बाल ठाकरे ने अपने भतीजे राज ठाकरे के स्थान पर अपने बेटे उद्धव को पार्टी की सत्ता सौंप दी थी। भतीजे राज ने अपने चाचा से बगावत कर अलग पार्टी बना ली थी। शरद पवार का उदहारण भी हमारे सामने है। उन्होंने अपने भाई के स्थान पर बेटी को तरजीह दी थी। राजनीति के चाणक्य समझे जाने वाले शरद पवार के भतीजे अजीत ने अपने चाचा को पटकनी देकर भाजपा सरकार में उप मुख्यमंत्री का पद संभाल परिवार को तोड़ दिया था।

आंध्र प्रदेश में वाईएस राजशेखर रेड्डी की मौत के बाद परिवार में भाई जगनमोहन रेड्डी और बहन वाईएस शर्मिला में भी टकराव हुआ। 2021 में बहन शर्मिला ने अपनी अलग पार्टी बनाई। इसके बाद उन्होंने लोकसभा चुनाव से पहले अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर लिया। घउठ के नाम से चर्चित के. चंद्रशेखर राव की पार्टी में कलह खुलकर सामने आ चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी के. कविता को भाइयों के खिलाफ आवाज उठाने का खामियाजा भुगतना पड़ा है। एच.डी. देवेगौड़ा के परिवार के भीतर सत्ता और टिकट वितरण को लेकर समय-समय पर मतभेद सामने आते रहे हैं। खासकर उनके बेटे एच.डी. कुमारस्वामी और एच.डी. रेवन्ना के बीच कई बार सार्वजनिक मंचों पर भी असहमति देखी गई है। तमिलनाडु में एम. करुणानिधि के निधन के बाद उनकी राजनीतिक विरासत के लिए परिवार में घमासान हुआ। करुणानिधि के दो बेटों एम.के. स्टालिन और एम.के. अलागिरी के बीच पार्टी के उत्तराधिकार को लेकर लंबे समय तक विवाद रहा। करुणानिधि ने बड़े बेटे अलागिरी को पार्टी से अलग कर स्टालिन को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। पिता के इस एक्शन से बड़ा बेटा राजनीति के बियावान में खो गया। अंत में अलागिरी को पार्टी और परिवार से बाहर का रास्ता दिखाया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जन्म शताब्दी

आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश, बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन और अन्य, दिवंगत आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह के दौरान।

अगर जापान की प्रधानमंत्री ने ताइवान पर अपनी टिप्पणी वापस नहीं ली तो जवाबी कार्रवाई करेंगे : चीन

बीजिंग/टोक्यो/भाषा। चीन ने बुधवार को जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची से ताइवान पर की गई 'गलत टिप्पणियां' वापस लेने को कहा और चेतावनी दी कि ऐसा नहीं करने पर 'जवाबी कदम' उठाए जाएंगे।

दोनों देशों के अधिकारियों के बीच बीजिंग में तनाव कम करने के लिए हुई बैठक के एक दिन बाद चीन ने यह चेतावनी जारी की।

चीन-जापान के बीच हुई बैठक में हालांकि मतभेदों को दूर करने पर बात नहीं बनी।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि ताकाइची ने हाल ही में ताइवान के बारे में गलत टिप्पणियां कीं, जो चीन के आंतरिक मामलों में घोर हस्तक्षेप है और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है तथा उन्होंने युद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती दी और चीन के लोगों में आक्रोश को भड़काया है। उन्होंने कहा, हम जापान से आग्रह करते हैं कि वह अपनी गलत टिप्पणियों को वापस ले, समस्याएं उत्पन्न करना बंद करे और द्विपक्षीय संबंधों की नींव को बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए।

माओ ने कहा, अगर जापान अपनी टिप्पणियों को वापस लेने से इनकार करता है, तो चीन के पास गंभीर जवाबी कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा और इसके सभी परिणाम जापान को भुगतने होंगे।

माओ ने एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह भी कहा कि जापान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता पाने के लिए 'पूरी तरह से अयोग्य' है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कुछ देश जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने की जिम्मेदारी लेने में असमर्थ हैं, वे सुरक्षा परिषद के सदस्य बनने के भी अयोग्य हैं।

ज्यादातर भारतीय छात्र ऐसी शिक्षा चाहते हैं जो कैरियर बनाने में सहायक हो: अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। लंदन स्थित एक विश्वविद्यालय के नए अध्ययन से पता चला है कि 97 प्रतिशत भारतीय छात्र ऐसी शिक्षा चाहते हैं जो उन्हें करियर बनाने में मदद करे तथा उनका मानना है कि विदेश में अध्ययन करने के लिए रोजगार, कार्य अनुभव और कौशल आवश्यक हैं।

सिटी सेंट जॉर्ज, लंदन विश्वविद्यालय द्वारा कराये गए तथा अर्लिंग्टन रिसर्च द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया है कि भारत के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का मूल्य व्याख्यानों और पाठ्यपुस्तकों से कहीं अधिक है।

'विदेश में अध्ययन का महत्व' रिपोर्ट के अनुसार, 97 प्रतिशत भारतीय छात्रों का कहना है कि विदेश में अध्ययन के लिए स्थान चुनते समय रोजगार के लिए आवश्यक अर्हता, कार्य अनुभव और कौशल आवश्यक हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय छात्र अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा से जो अपेक्षाएं रखते हैं, उनमें एक ज़बरदस्त बदलाव आया है और यह कक्षा में मिलने वाली शिक्षा से कहीं आगे तक जाता है। सर्वेक्षण में शामिल सभी देशों में भारतीय छात्र व्यावहारिक शिक्षा, तकनीकी कौशल और पेशेवर व्यवहार को अपने शैक्षिक अनुभव के मुख्य अंग के रूप में सबसे ज़्यादा महत्व देते हैं।

सिटी सेंट जॉर्ज, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में रोजगार संबंधी विभाग की निदेशक जेम्मा केन्यन के अनुसार, भारतीय छात्र इस बात पर अधिक ध्यान दे रहे हैं कि शिक्षा क्या प्रदान करे। केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि कौशल, आत्मविश्वास और नेटवर्क जो वास्तविक करियर की सफलता की ओर ले जाएं।

केन्यन ने कहा, यह अध्ययन इस बात को रेखांकित करता है कि विश्वविद्यालयों के लिए ऐसे कार्यक्रम तैयार करना कितना महत्वपूर्ण है, जो अकादमिक उत्कृष्टता को व्यावहारिक अनुभव के साथ जोड़ते हों।

अमिताभ बच्चन का आशीर्वाद पाकर सिंगर-कंपोजर शेखर रवजियानी गदगद

नई दिल्ली/एजेन्सी

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन से मिलने और उनसे बात करने का सपना हर किसी का होता है। सिंगर-कंपोजर शेखर रवजियानी का अमिताभ बच्चन से मिलने, बात करने और उनके साथ समय बिताने का सपना भी पूरा हो चुका है। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ कुछ फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। फोटो 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट की हैं। सिंगर-कंपोजर शेखर रवजियानी ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट से फोटोज पोस्ट की हैं, जिसमें वे अमिताभ बच्चन के साथ दिख रहे हैं। फोटो में वे कभी अमिताभ बच्चन को माइक दे रहे हैं, तो दूसरी फोटो में अमिताभ बच्चन सिंगर को आशीर्वाद दे रहे हैं।

फोटोज देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि दोनों ने ही सेट पर ढेर सारी मस्ती की है। शेखर रवजियानी ने लिखा, जब मुझे केबीसी के डायरेक्टर का फोन आया और उन्होंने मुझे शो में आने के लिए कहा तो मैं अमिताभ बच्चन साहब के साथ केबीसी खेलने के लिए एक्साइटेड और घबराया हुआ था, क्योंकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या पहनूं। उन्होंने आगे लिखा, मैंने केबीसी के सेट पर पहले रिहर्सल की और क्रू मेंबर्स से मिला। फिर, बिगबी से मिलने का समय आ गया। मुझे उनसे आशीर्वाद और प्यार भरा हग मिला। उनके सामने हॉट सीट पर बैठा और फिर धमाल हुआ। हमारी शाम जश्न, गाने-बजाने और हंसी-मजाक में बदल गई। मेरे दोस्त, मेरे आदर्श, मेरे गुरु, मेरे पसंदीदा बिगबी के साथ बिताए पल, जो मुझे हमेशा याद रहेंगे। सिंगर-कंपोजर शेखर रवजियानी सोशल मीडिया पर अपने खुशी के पल शेयर करने का एक मौका नहीं छोड़ते हैं, लेकिन एक समय था जब उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने सबसे बुरे वक्त का जिक्र किया था। उन्होंने बताया था कि कोविड से पहले उनकी आवाज अचानक चली गई थी और उन्हें अपने वोकल कॉर्ड पैरालिसिस के बारे में पता चला था।

केनरा बैंक ने 10,000वीं शाखा खोलकर 120वां स्थापना दिवस मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केनरा बैंक ने बुधवार को अपने संस्थापक स्व. अम्मेम्बल सुब्बा राव पई की स्मृति में 120वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर बुडिगेरे क्रॉस इलाके में 10,000वीं शाखा का उद्घाटन भी हुआ। यह उद्घाटन वित्त मंत्रालय के सचिव एम नागराजू ने किया। इस अवसर पर केनरा बैंक के एमडी एवं सीईओ सत्यनारायण राजू और बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। नई शाखा ग्राहक अनुभव को बढ़ाने और बैंक के ग्राहकों को निर्बाध बैंकिंग समाधान प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित कर्मचारियों और उन्नत डिजिटल सुविधाओं से युक्त है।

इस अवसर पर सत्यनारायण राजू ने कहा, 'बैंक के 120वें स्थापना दिवस पर 10,000 शाखाओं की उपलब्धि तक पहुंचना हमारे ग्राहकों की सेवा करने और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने की हमारी स्थायी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम अपने संस्थापक के दृष्टिकोण का सम्मान करते हुए सुलभ, नवीन बैंकिंग समाधान प्रदान करते रहते हैं, जो लोगों और व्यवसायों दोनों को सशक्त बनाते हैं।'

एक-दूसरे से काफी कुछ सीख रहे हैं 'द फैमिली मैन 3' के अभिनेता बाजपेयी और अहलावत

मुंबई/भाषा

वर्षों पहले गैंग्स ऑफ वासेपुर में पिता-पुत्र का किरदार निभाने के बाद, मनोज बाजपेयी और जयदीप अहलावत द फैमिली मैन 3 सीरीज में एक-दूसरे के दुश्मन के रूप में दिखेंगे। दोनों अभिनेता एक-दूसरे की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अहलावत (45) मनोज बाजपेयी के प्रति गहरा सम्मान रखते हैं। बाजपेयी (56) भी जवाब में कहते हैं कि वह पाताल लोक के स्टार अहलावत की प्रतिभा से बेहद प्रभावित हैं। बाजपेयी ने अहलावत और द फैमिली मैन 3 की टीम के साथ 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मैंने 'पाताल लोक' देखी है और मैं उसके हर दृश्य के बारे में बात कर सकता हूं। मैंने जयदीप से इस पर विस्तार से बात की है। मुझे इसका काम बहुत पसंद है, खासकर 'पाताल लोक' में, इसीलिए मैं 'पाताल लोक' की बार-बार बात करता हूं। इसने बहुत शानदार काम किया है।

इसपर अहलावत ने कहा कि उन्होंने मनोज बाजपेयी की लगभग सभी फिल्में देखी हैं। अहलावत ने कहा, उन्होंने बहुत बेहतरीन काम किया है। अगर आप उनकी हर परफॉर्मेंस देखें तो वह कई अभिनेताओं के लिए मास्टरक्लास है। मैं यह बहुत ईमानदारी से कह रहा हूं। दोनों अभिनेताओं की पहली मुलाकात चटगांव के सेट पर हुई थी, उसके बाद उन्होंने अनुराग कश्यप की दो-भाग वाली वासेपुर में साथ काम किया। दोनों अभिनेता बाजपेयी की फिल्म जुगनुमा के लिए आयोजित कार्यक्रम को याद करते हंसते हैं, जिसमें अनुराग कश्यप, अहलावत और सह-कलाकार विजय वर्मा ने बाजपेयी के पैर छुए थे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। बाजपेयी ने कहा कि वह बहुत असहज हुए थे और उन्होंने इसके लिए कश्यप को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने हंसते हुए कहा, लेकिन वो सब मजे कर रहे थे। यह थोड़ा वायरल हो गया। अनुराग कश्यप ऐसी चीजें करता रहता है, आप लोगों ने वीडियो में जो था वो नहीं सुना, मैंने उसे मजाक में बहुत बुरा-भला कहा था।

हालांकि अहलावत को यह बहुत अच्छा लगा था। उन्होंने कहा, यह बस हो गया वह हमारे लिए एक पल था और हमने सोचा, पकड़ लो। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनका रिश्ता गुरु-शिष्य जैसा है, तो बाजपेयी ने तुरंत इससे इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, यह (रिश्ता) गुरु-शिष्य जैसा नहीं है। वह बहुत बड़ी बात होती है। जिन्होंने एफटीआईआई में जयदीप को सिखाया है और अभिनय से परिचित कराया है, वही उनके गुरु हैं। लेकिन हम एक-दूसरे के काम से बहुत कुछ सीखते हैं, बस इतना ही। इससे ज्यादा कुछ नहीं। इसे इतना महिमामंडित न करें। गैंग्स ऑफ वासेपुर के 13 साल बाद द फैमिली मैन 3 में दोनों एक दूसरे के खिलाफ नजर आएंगे। इस सीरीज में बाजपेयी खुफिया अधिकारी श्रीकांत तिवारी की भूमिका में हैं जबकि अहलावत रुक्मा नामक विलेन का किरदार निभाएंगे। इसके अलावा निमरत कौर मीरा की भूमिका में नजर आएंगी। द फैमिली मैन 3 में बाजपेयी ने दो नटखट बच्चों के पिता का किरदार निभाया है। इसमें शारिब हाशमी, प्रियमणि, अशलेषा ठाकुर, वेदांत सिन्हा, श्रेया धनवंतरी और गुल पनाग भी नजर आएंगे। यह सीरीज 21 नवंबर को प्राइम वीडियो पर आएगी।

मैं दुलकर सलमान को थप्पड़ मारना नहीं चाहती थी : भाग्यश्री

चेन्नई/एजेन्सी

दुलकर सलमान की पीरियड ड्रामा फिल्म 'कांथा' को दर्शकों की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में 14 नवंबर को रिलीज किया गया। इस फिल्म में तमाम कलाकारों के बीच अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने अपने किरदार 'कुमारी' के जरिए समीक्षकों की भी तारीफ हासिल की। भाग्यश्री बोरसे ने बातचीत में बताया कि उनके लिए कुमारी का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण था। फिल्म में एक सीन ऐसा था जिसमें उन्हें अपने को-स्टार दुलकर सलमान को थप्पड़ मारना था। भाग्यश्री ने कहा, ''मैं इस सीन को करने के लिए तैयार नहीं थीं। मुझे अंदर से डर लग रहा था। मैं चाहती थीं कि यह नकली लगे, क्योंकि मैंने कभी किसी को मजाक में भी नहीं मारा। ऐसे में मैं सोच रही थी कि मैं ये सीन कैसे कर पाऊंगी। वहीं दुलकर चाहते थे कि उनके चेहरे पर असली भाव आए और इसी वजह से मैंने इस सीन को आखिर में करने का फैसला लिया।'' भाग्यश्री ने कहा, ''यह सीन करना मेरे लिए बहुत मुश्किल था, लेकिन दुलकर सलमान के कारण यह चुनौती मैंने स्वीकार की और इस सीन को पूरा किया। यह सीन फिल्म में प्रभावशाली लग रहा है।'' फिल्म 'कांथा' का निर्देशन सेल्वमणि सेल्वराज ने किया है और यह 1950 के दशक के मद्रास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक अभिनेता और एक निर्देशक के बीच के तनावपूर्ण रिश्ते को दिखाती है। फिल्म की कहानी को दो हिस्सों में बांटा गया है। पहले हाफ में किरदारों के बीच के टकराव को दिखाया जाता है, जबकि दूसरा हाफ एक मर्डर मिस्ट्री है जो दर्शकों को सस्पेंस में रखती है। फिल्म में दुलकर सलमान, समुथिरकानी, भाग्यश्री बोरसे और राणा दग्गुबाती प्रमुख भूमिकाओं में हैं। राणा दग्गुबाती ने एक जांचकर्ता का किरदार निभाया है और समुथिराकानी ने भी एक अहम सपोर्टिंग रोल किया है। फिल्म ने ओपनिंग डे पर 4.35 करोड़ रुपए के साथ शानदार शुरुआत की और इसका राज बॉक्स ऑफिस पर जारी है।

अनूठे प्रॉडक्ट लेकर आ रही हाई लाइफ प्रदर्शनी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। फैशन और लाइफस्टाइल के लिए मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी एक बार फिर अपने अनूठे प्रॉडक्ट लेकर आ रही है। इसकी शुरुआत 21 नवंबर को द ललित अशोक में होगी। यह 23 नवंबर तक जारी रहेगी। तीन दिन तक चलने वाला यह शानदार आयोजन फैशन, लग्जरी और लाइफस्टाइल का बेमिसाल संगम पेश करेगा।

चाहे बात डिजाइनर वेयर की हो या ज्वेलरी, एक्सेसरीज और प्रीमियम लाइफस्टाइल प्रॉडक्ट की, यहां आधुनिकता के साथ परंपरा का बेहतरीन तालमेल देखने को मिलेगा।

हाई लाइफ प्रदर्शनी हमेशा उन लोगों की पहली पसंद रही है, जो फैशन में सबसे आगे रहना पसंद करते हैं। इस बार भी लेटेस्ट ट्रेंड्स, टाइमलेस क्राफ्ट्समैनशिप और स्टेटमेंट लुक्स की शानदार मिसाल पेश की जाएगी।

रिलीज हुआ रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधर' का ट्रेलर

नई दिल्ली/एजेन्सी

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और आर. माधवन के किरदार को दिखाया है। रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधर' के चार मिनट के ट्रेलर में रणबीर कपूर की 'एनिमल' से ज्यादा एक्शन और खूब-खराबा नजर आ रहा है। ट्रेलर में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और आर. माधवन के किरदार छाए हैं। एक विलेन के तौर पर अर्जुन रामपाल ने दिल जीत लिया है। कहानी पाकिस्तान और भारत के बीच 1971 में हुए युद्ध से शुरू होती है। अर्जुन रामपाल पाकिस्तानी आईएसआई मेजर इकबाल का रोल प्ले कर रहे हैं, जिनका रवैया भारत के प्रति बेहद क्रूर है। आर. माधवन भारतीय इंटेलिजेंस के अफसर अजय संयल का रोल प्ले कर रहे हैं। अजय संयल भारत से आतंकवाद को खत्म करने के लिए और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने का प्लान बना रहे हैं। ट्रेलर के आखिर में एंट्री होती है रणवीर सिंह की। एंट्री के साथ एक्टर कहते हैं, तुम लोगों के पटाखे खत्म हो गए हों तो मैं धमाका शुरू करूं। रणवीर सिंह और आर. माधवन पाकिस्तान के आतंकी मंसूबों को खत्म करने की प्लानिंग करते दिखाई देंगे।

खास बात ये है कि संजय दत्त और अक्षय खन्ना भी अलग किरदार में दिखे हैं। दोनों के किरदार को लेकर ट्रेलर में ज्यादा खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन ट्रेलर में जितनी भी झलक दिखाई गई हैं, वो रोंगटे खड़े कर देने वाली हैं। ट्रेलर में कुछ सीन्स ऐसे हैं जो शरीर में सिरहन पैदा कर सकते हैं, क्योंकि फिल्म में एक्शन और क्रूरता वाले खतरनाक सीन की भरमार है। बता दें कि दिल्ली के लाल किले के पास हुए ब्लास्ट के बाद मेकर्स ने ट्रेलर की रिलीज मंगलवार तक के लिए टाल दी थी।

फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। ट्रेलर सोशल मीडिया पर पसंद किया जा रहा है। यूजर्स का कहना है कि अक्षय खन्ना, रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, और संजय दत्त की एक्टिंग नेचुरल लग रही है और ये पांचों मिलकर स्क्रीन पर कमाल करेंगे।

काजोल ने फैंस को दिया अहम संदेश, खुद से प्यार करो और अपनी सुरक्षा का ध्यान भी रखो

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल सोशल मीडिया पर हमेशा अपनी खास शैली और अनोखे अंदाज के लिए चर्चा में रहती हैं। सोमवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटो पोस्ट कीं, जिसने फैंस का दिल फिर से जीत लिया। इन तस्वीरों में काजोल ने बेहद स्टाइलिश आउटफिट पहनी हुई है।

फोटोज में काजोल ने वाइट कलर की एक खूबसूरत शर्ट पहनी हुई है, जिसके कॉलर और स्लीव्स अलग और फैशनेबल हैं, जो उनके लुक को और खास बना रहे हैं। शर्ट के साथ उन्होंने ब्लैक कलर की लॉन्ग स्कर्ट को चुना, जो उनके स्टाइल में एक सादगी को जोड़ती है। उनके गले में मल्टीकलर नेकलेस है, जो उनके लुक को और भी निखार रहा है। तस्वीरों में उनके चेहरे पर आत्मविश्वास झलक रहा है। वह कैमरे की ओर मुस्कुराकर पोज दे रही हैं। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा है, ''आज का विचार खुद से प्यार करो और साथ ही अपनी सुरक्षा का ध्यान भी रखो।'' काजोल के इस पोस्ट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट्स के जरिए उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। काजोल के करियर की बात करें तो उन्होंने अभिनय की शुरुआत बहुत ही कम उम्र में की थी। स्कूल के दिनों में ही उन्होंने फिल्म 'बेखुदी' (1992) में काम किया। इसके बाद उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़कर पूरी तरह से अभिनय को अपना करियर बनाया।

काजोल ने 'बाजीगर' और 'ये दिल्लगी' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाई और सफलता हासिल की। उन्हें असली पहचान 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' और 'कुछ कुछ होता है' जैसी रोमांटिक फिल्मों से मिली। इन फिल्मों के लिए उन्हें दो बार फिल्मफेयर पुरस्कार से नवाजा गया। काजोल ने 'गुप्त: द हिडन ट्रुथ' में नेगेटिव किरदार निभाया और दर्शकों का दिल जीता। साल 2001 में आई 'कभी खुशी कभी गम' ने उन्हें तीसरा फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाया। इसके बाद, वह 'फना', 'माई नेम इज़ खान', 'दिलवाले', 'तान्हाजी' जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। उन्होंने ओटीटी पर भी काम किया और 'त्रिभंगा', 'द ट्रायल' और 'दो पत्ती' जैसी प्रोजेक्ट के जरिए स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उतरीं।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर पहली बार हुई 'सरदार कथा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां समस्त लेउवा पटेल समाज के तत्वावधान में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर पहली बार अरुणबाक्कम स्थित डीजी वैष्णव कॉलेज के एसआरजी हॉल में 'सरदार कथा' का आयोजन किया गया।

गुजरात से शैलेश भाई सगपरिया ने सरदार पटेल के जीवन की कथा सुनाई। संचालन मैक्सभाई अहीर ने किया।

इस मौके पर सरदार वल्लभभाई पटेल स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष व पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एन. गोपालस्वामी, आईआईटी सहित विभिन्न अग्रणी संस्थाओं से जुड़े इंजीनियर, समाजसेवी डॉ. एनआर दवे, नरसिंह भाई तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति मंचासीन रहे। सभी का स्वागत समाज के प्रमुख कार्यकर्ता भावेश भाई ने किया। स्वागत समारोह में रमेशभाई गोठी, अतुलभाई दुबरिया ने वक्ता शैलेशभाई सगपरिया को सम्मान किया।

समय का उपयोग करना परमात्मा की पूजा करने से बढ़कर है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अयनावरम् स्थित दादावाड़ी में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि शाश्वत सत्य को स्वीकार नहीं करना, अनदेखा करना अथवा भ्रांति में रहना, आत्मधर्म और परमात्मा को नकारने के समान है।

उन्होंने कहा कि मौत अटल और शाश्वत है विज्ञान, सरकार, महापुरुष कोई भी उसके ऊपर विजय प्राप्त नहीं कर सके मौत को स्वीकार करने वाला तो ब्रह्म ज्ञानी है कमल मुनिजी ने कहा कि करोड़ों चले जाए तो वापस कमा सकते हैं परंतु गया हुआ समय तीन लोक की संपत्ति देकर भी वापस नहीं प्राप्त किया जा सकता है, उसको रोका भी नहीं जा सकता है ,उसको सार्थक करना हमारे हाथ में है । समय का उपयोग करना परमात्मा की पूजा करने से बढ़कर है। राष्ट्र संत ने कहा कि जिसका लक्ष्य मात्र स्वार्थ पूर्ति करना, खाना पीना संसार बढ़ाने में लगा हुआ है वह तो पशु की तरह जीवन जी रहा है। जैन संत ने कहा कि आत्म उत्थान और परमार्थ जिसका लक्ष्य है उसी का जीवन सार्थक है । अपने पवित्र कार्यों से दुनिया के दिलों में अमिट छाप छोड़ते हुए मरकर भी अमर हो जाता है।

रेला हॉस्पिटल ने किया 'विश्व समयपूर्व शिशु जन्म दिवस' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय रेला अस्पताल ने 'विश्व समयपूर्व जन्म दिवस' के उपलक्ष्य में 50 से ज़्यादा समयपूर्व जन्मे शिशुओं और उनके परिवारों के लिए एक विशेष समारोह का आयोजन किया। समयपूर्व जन्मे इन शिशुओं का अस्पताल में इलाज हुआ और वे अब अपने समकक्ष बच्चों के विकास के बराबर पहुँच गए हैं। इनमें वे बच्चे शामिल हैं जो 25 हफ़्ते में ही पैदा हो गए और उनका जन्म के समय वज़न सिर्फ़ 600 ग्राम था।

कार्यक्रम का उद्देश्य यह जागरूकता फैलाना था कि सही नवजात गहन देखभाल विशेषज्ञता के साथ सबसे छोटे और सबसे कमज़ोर नवजात शिशु भी जीवित रह सकते हैं और स्वस्थ सामान्य बच्चों की तरह ही विकसित हो सकते हैं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभिनेता रवि मोहन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेला अस्पताल के अध्यक्ष प्रो. मोहम्मद रेला ने किया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल स्वास्थ्य निदेशक डॉ. नरेश षणमुगम, वरिष्ठ सलाहकार नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. वेलमुरुगन कन्नप्पन, सामान्य बाल रोग के क्लिनिकल प्रमुख डॉ. एमपी वेंकटेश और अस्पताल की नवजात गहन चिकित्सा इकाई की विशेषज्ञ टीम ने भाग लिया।

स्कूलों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु करूर वैश्य बैंक राष्ट्रीय वित्त ओलंपियाड में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । करूर वैश्य बैंक (केवीबी) ने अपने सीएसआर केवीबी विद्या के अंतर्गत स्कूली विद्यार्थियों के लिए वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया है जो शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सीएसआर विषय के अनुरूप है। राष्ट्रीय वित्त ओलंपियाड (एनएफओ) के साथ साझेदारी में कार्यान्वित इस पहल का उद्देश्य युवा शिक्षार्थियों को आवश्यक वित्तीय ज्ञान और कौशल से लैस करना है ताकि उन्हें भविष्य में सोच-समझकर निर्णय लेने में मदद मिल सके। यह कार्यक्रम कक्षा 9 से 12 तक के सरकारी और वंचित स्कूली छात्रों पर केंद्रित है, जो 210 स्कूलों को कवर करता है जिससे 3,150 से ज़्यादा विद्यार्थी लाभान्वित होते है। इसमें भौतिक अध्ययन सामग्री द्वारा समर्थित एक संरचित वित्तीय साक्षरता पाठ्यक्रम, साथ ही सीखने के परिणामों का आकलन करने के लिए एनएफओ द्वारा आयोजित ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों परीक्षाओं की सुविधा शामिल है। विद्यार्थियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर प्रमाण पत्र और पदक प्रदान किए जाते है ।

इस अवसर पर करूर वैश्य बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रमेश बाबू ने कहा कि राष्ट्रीय वित्त ओलंपियाड के साथ साझेदारी ने हमें विद्यार्थियों को उनकी प्रारंभिक अवस्था में ही आवश्यक वित्तीय अवधारणाओं से परिचित कराने में मदद की है, जो वित्तीय समावेशन को मज़बूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नेशनल फाइनेंस ओलंपियाड के सह-संस्थापक मितुल मेहता ने इस अवसर पर कहा कि भारत के युवाओं में वित्तीय साक्षरता विकसित करने की ज़रूरत पहले इतनी ज़्यादा नहीं थी परंतु आज के विद्यार्थी एक ऐसी दुनिया में बड़े हो रहे हैं जहाँ वित्तीय निर्णय जल्दी शुरू हो जाते हैं, फिर भी देश भर में संरचित वित्तीय शिक्षा तक पहुँच सीमित है।

मायुमं चेन्नई मेट्रो ने किलपॉक मेंटल हॉस्पिटल में किया अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मारवाड़ी युवा मंच चेन्नई मेट्रो द्वारा किलपॉक मेंटल हॉस्पिटल में अन्नदान का सेवा कार्य किया गया। मंच के अध्यक्ष अनिल सिंघवी परिवार के सौजन्य से 1000 मरीजों को भोजन वितरित किया गया। इस सेवा कार्यक्रम में चेन्नई मेट्रो शाखा के अनेक सदस्यों ने उपस्थित होकर सक्रिय सहयोग दिया। सभी मरीजों के लिए अलग से स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन तैयार कराया गया। मंच के सदस्यों ने सभी वार्ड में जाकर मरीजों को स्नेहपूर्वक भोजन परोसा और स्वास्थ्य लाभ की शुभकामनाएँ दीं। समाज की ओर से महावीर मेहता, विनोद जैन नाना और राजू चोरड़िया आदि उपस्थित थे।

जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा ने आयोजित की 'बॉक्स क्रिकेट लीग'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । जैन कॉन्फ्रेंस तमिलनाडु युवा शाखा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस के अवसर पर आयोजित बॉक्स क्रिकेट लीग सीज़न 2 का कार्यक्रम 'हिट एन रन' का आयोजन किया जिसमें युवा सदस्यों ने खेल भावना, अनुशासन और टीम वर्क का परिचय दिया। युवा शाखा के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की उपस्थित थीं।

युवा शाखा के अध्यक्ष मनीष रांका जैन ने बताया कि आने वाले समय में समाज के युवाओं के लिए और भी प्रेरणादायी एवं मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

ट्रंप ने तीखे सवाल पूछने पर एबीसी न्यूज की रिपोर्टर को 'बेहद खराब' बताया, धमकी दी

न्यूयॉर्क/एपी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को 'एबीसी न्यूज' की पत्रकार मैरी ब्रूस पर निशाना साधते हुए उन्हें ''बेहद खराब रिपोर्टर'' बताया और उनसे तीखे सवाल पूछे जाने के बाद समाचार संगठन के प्रसारण का लाइसेंस रद्द करने की धमकी दी। एबीसी न्यूज की व्हाइट हाउस के लिए मुख्य संवाददाता ओवल ऑफिस में उन पत्रकारों में शामिल थीं, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से सवाल पूछने की अनुमति थी। ब्रूस ने ट्रंप से पूछा कि क्या राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उनके परिवार का सऊदी अरब में व्यापार करना उचित है।

इससे पहले कि ट्रंप जवाब दे पाते, ब्रूस ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से पूछा, ''अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने निष्कर्ष निकाला कि आपने एक पत्रकार की हत्या की साजिश रची। 9/11 पीड़ितों के परिजन आपके यहां आने से नाराज हैं। अमेरिकी आप पर क्यों भरोसा करें? और यही सवाल आपसे भी, राष्ट्रपति ट्रंप।'' इन सवालों के बाद ट्रंप ने एबीसी को ''फेक न्यूज'' बताया और सऊदी अरब में अपने परिवार के व्यावसायिक हितों का बचाव किया। राष्ट्रपति ने अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि क्राउन प्रिंस का 2018 में पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में कुछ न कुछ हाथ था।

जियो ने 'जेमिनी प्रो प्लान' के तहत गूगल के जेमिनी-3 मॉडल को किया शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जियो ने अपनी कृत्रिम मेधा (एआई) पेशकश को और बेहतर बनाते हुए अब 'जियो जेमिनी प्रो प्लान' के तहत गूगल के नवीनतम जेमिनी-3 मॉडल को भी शामिल कर लिया है।

कंपनी बयान के अनुसार, दूरसंचार कंपनी के 'अनलिमिटेड 5जी डेटा प्लान' के उपयोगकर्ताओं के वास्ते यह सेवा 18 महीने के लिए मुफ्त उपलब्ध होगी।

इसमें कहा गया कि 'जेमिनी प्रो प्लान' (जिसकी कीमत 35,100 रुपए है) हर पात्र जियो अनलिमिटेड 5जी ग्राहक के लिए 18 महीने तक मुफ्त रहेगा। इस पेशकश को माइजियो ऐप पर ''अभी दावा करें'' विकल्प के जरिये तुरंत चालू किया जा सकता है। जियो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि वह 'जियो जेमिनी प्रो प्लान' के तहत गूगल जेमिनी-3 को पेश करने के साथ अपने 'जियो जेमिनी ऑफर' प्रस्ताव में महत्वपूर्ण वृद्धि कर रही है जो जियो के सभी 'अनलिमिटेड' 5जी ग्राहकों के लिए 18 महीने के लिए मुफ्त उपलब्ध होगा।

कंपनी के कहा, ''यह साल की सबसे बड़ी एआई छूट है। गूगल के नए एआई मॉडल, जेमिनी-3 को तुरंत चालू करें।

अग्रवाल समाज बनाएगा 'अग्रसेन गौशाला व पूजा घाट'

दानदाताओं ने सहयोग से प्रोजेक्ट के लिए भूखंड क्रय व रजिस्ट्रेशन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय अग्रवाल समाज कर्नाटक के तत्वावधान में शहर के बन्नरघट्टा रोड पर अग्रसेन गौशाला व पूजा घाट के लिए तय किए गए 12 हजार वर्गफीट के भूखंड का बुधवार को रजिस्ट्रेशन करा लिया गया तथा सभी आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूरी कर ली है।

अध्यक्ष सुभाष बंसल ने बताया कि केवल 60 दिनों में 160 दानदाताओं ने इस भूखंड क्रय के लिए अपनी मंजूरी दी और पैसा भी जमा करा दिया जिससे भूखंड का रजिस्ट्रेशन हो सका। सचिव सतीश गोयल ने रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया की जानकारी दी।

इस प्रोजेक्ट के प्रमुख विक्रम अग्रवाल ने बताया कि इस भूखंड पर अग्रसेन गौशाला व शिव मंदिर निर्माण किया जाएगा। एक पूजा घाट बनाया जाएगा जिस पर किसी की मृत्यु के बाद होने वाली पूजा, दशा पूजा करने की सुविधा होगी। देश भर की 21 नदियों के जल से भरा हुआ एक जलकुंड, हवनकुंड, पूजा सामग्री दुकान, पूजा रूम आदि बनाए जाएंगे।

इसके अलावा पीपल, नीम जैसे अनेक पवित्र पेड़ लगाए जाएंगे। कोषाध्यक्ष अंकित मोदी ने सभी दानदाताओं व सहयोगियों को धन्यवाद दिया। रजिस्ट्रेशन के मौके पर समाज के पदाधिकारी व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

आचार्यश्री जयंतसेनसूरी के जन्मोत्सव कर राजेंद्र महिला परिषद ने की मानवसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन महिला परिषद शाखा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमाबाई गांधीमुथा के मार्गदर्शन में आचार्यश्री जयंतसेनसूरीश्वरजी के 90वें जन्मोत्सव के मौके पर कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन लिम्ब सेन्टर में 15 दिव्यांगजनों को कृत्रिम पैर वितरित किए।

इसके अलावा किदवई हॉस्पिटल में जरूरतमंदों को कपड़े, फल और मिठाई का वितरण किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमा गांधीमुथा ने कहा कि सेवा में साधना है, करुणा में ईश्वर है।

स्थानीय अध्यक्ष कंचन पालगोता ने कहा कि नर सेवा में ही नारायण सेवा है। महामंत्री कंचन श्रीश्रीमाल ने सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया।

जीतो साउथ लेडीज़ विंग सदस्याओं ने 'खेल खेल में' बढ़ाया नेटवर्क व परिचय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज़ विंग ने रिसोर्ट में 'खेल खेल में' कार्यक्रम आयोजित किया जिसका उद्देश्य सदस्याओं के बीच आपसी परिचय व नेटवर्क को बढ़ाने के साथ मनोरंजन था।

चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन हर महिला के लिए खुद को जीने का, अपनी खुशी को प्राथमिकता देने का और अपने मन को हल्का करने का अवसर है।

लेडीज विंग संयोजक प्रवीण सोफ़ाड़िया व जेबीएन संयोजक महावीर भंसाली ने अपने विचार व्यक्त किए।

छोटे गृह व्यवसाय मॉडल्स की अपेक्स संयोजिका बिंदू रायसोनी ने कार्यक्रम की सराहना की। इस आयोजन में महिला सदस्याओं को रेड, ब्लू, येलो और गोल्ड में बाँट कर उनके लिए पेपर टॉस, हेड-बॉटल रिले, सिट-अप चैलेंज, डक वॉक, स्किपिंग, सूर्य नमस्कार, बैलून कप चैलेंज, टीम गेम्स, हॉपस्कॉच रिले, पज़ल चैलेंज, पार्सिंग दि बैलून और अंताक्षरी का आयोजन किया। इन खेलों में ब्लू टीम ने विजेता व यलो टीम उपविजेता बनी। कार्यक्रम की संयोजिका साक्षी नाहार और सहसंयोजिका कविता मूथा ने व्यवस्था संभाली। निधि पारलेचा ने संचालन किया।

सेवा, श्रद्धा और समर्पण का आदर्श उदाहरण है सुराणा परिवार : डॉ. वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुशील धाम में विराजित डॉ. वरुण मुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जब कोई परिवार धर्म के प्रति श्रद्धा, समाज के प्रति करुणा और मानवता के प्रति संवेदनशीलता से कार्य करता है, तब उसकी सेवा स्वयं इतिहास में स्वर्णाक्षरों से अंकित हो जाती है। ऐसा ही अनुपम उदाहरण शहर के स्व. घेवरचन्द सुराणा का परिवार है, जिसने उद्योग, व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा और धार्मिक सेवा आदि क्षेत्रों में अमिट छाप छोड़ी है। होसूर रोड पर स्थित जैन तीर्थ 'पार्श्व सुशील धाम' अत्यंत शांत, सौम्य और दिव्य वातावरण से परिपूर्ण धार्मिक केंद्र है। यह धाम चिंतामणि भगवान पार्श्वनाथ तथा अनेक तीर्थंकर भगवंतों के भव्य मंदिरों से अलंकृत है। आचार्यश्री सुशीलसूरीश्वरजी का समाधि-स्थल स्थित है। धाम में नवरत्नों की स्फटिक से निर्मित मनोहारी मूर्तियों का अद्वितीय संग्रहालय, संत निवास, विशाल अतिथि-भवन तथा बारह महीने संचालित रहने वाली भोजनशाला इसकी सेवा-परंपरा का सजीव प्रतीक है। देशभर के दिगंबर, श्वेतांबर (मूर्तिपूजक, स्थानकवासी और तेरापंथी) परंपराओं के सैंकड़ों संत-साध्वियाँ प्रतिवर्ष अपनी पदयात्राओं के मध्य यहाँ रहकर साधना और प्रवास करते हैं। इस विराट और भव्य धाम का निर्माण दिलीप आनंद सुराणा परिवार की सेवा-साधना का परिणाम है। ङ्गङ्गवरुण मुनि जी ने कहा कि सुराणा परिवार केवल उद्योग-जगत में ही अग्रणी नहीं, बल्कि उनके जीवन का आधार-स्तंभ सेवा है। सुराणा हॉस्पिटल, सुराणा कालेज, माइक्रो लैब, विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक योजनाएँ तथा भगवान महावीर हॉस्पिटल में निर्मित एक विशाल परिसर, ये सब उनकी सेवा-संस्कृति के उज्ज्वल साक्षी हैं। इसी धाम के समीप स्थित सुसवानी माता मंदिर धाम भी सुराणा परिवार की आस्था और सेवा का भव्य प्रतीक है। यहाँ देवी लक्ष्मी, पद्मावती माताजी, सुसवानी माताजी, अंबा माताजी, सच्चियाय माता (ओसियाजी) के दिव्य मंदिर स्थापित हैं। सुन्दर शिव मंदिर और आकर्षक अतिथि-गृह भी इस पवित्र परिसर का अभिन्न हिस्सा हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.